श्रावण शुक्ल - 6 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 30 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 22-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हम बल्लेबाज को रातों-रात किसी भी स्थान पर खेलने के लिए नहीं बोलते : रोहित

6 सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को दिया भाषाई न्याय

7 ट्रंप ने उठाया भारत की कर प्रणाली पर सवाल

फर्स्ट टेक

लीबिया से 17 भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय के सतत प्रयासों से लीबिया में एक सशस्त्र समूह द्वारा बंधक बनाए गए 17 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल कर भारत वापस लाया गया है। घटनाक्रम से जुड़े जानकार सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये भारतीय नागरिक पंजाब और हरियाणा से हैं और वे रविवार की शाम दिल्ली पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि ट्यूनिश में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में वहां भारतीय दूतावास के इस अच्छे कार्य की सराहना की। जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार द्वारा भारतीय समुदाय कल्याण कोष को मजबूत बनाना, खास तौर पर ऐसे अवसरों के लिए उपयोगी है।

ब्रिटेन में कबड्डी टूर्नामेंट में गोलीबारी के बाद तीन जख्मी

लंदन/भाषा। इंग्लैंड के ईस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में ब्रिटिश पंजाबी समुदाय के कबड्डी टूर्नामेंट में हुए 'बड़े स्तर पर व्यवधान' के बाद तीन लोग जख्मी हो गए हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है। डर्बीशायर पुलिस ने बताया कि डर्बी के अलवास्टन में एल्वास्टन लेन इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इसी इलाके में रविवार को संघर्ष हुआ था। रविवार को हुए कबड्डी टूर्नामेंट के फुटेज सोशल मीडिया पर आए हैं जिसमें मैदान में गोली चलने के बीच लोग दहशत में यहां वहां भाग रहे हैं। पुलिस ने कहा कि माना जा रहा है कि यह घटना दो प्रतिद्वंद्वी गिरोह की रंजिश का नतीजा है। डर्बीशायर पुलिस ने बताया कि रविवार को अलवास्टन में एल्वास्टन लेन इलाके में दोपहर तीन बजकर 51 मिनट पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी होने की सूचना मिली। बयान में कहा गया है, तीन लोग जख्मी हुए हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है। उन सभी को अस्पताल ले जाया गया है। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और बल कुछ समय तक इलाके में तैनात रह सकता है।

रुपया फिसला

मुंबई/वार्ता। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने के बावजूद स्थानीय स्तर पर आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली के दबाव में तीन पैसे फिसलकर 83.14 रुपये प्रति डॉलर रह गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.11 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया दो पैसे बढ़कर 83.08 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। सत्र के दौरान लिवाली होने से यह 83.15 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। अंत में पिछले दिवस के 83.11 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में तीन पैसे गिरकर 83.14 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

22-08-2023 सूर्यास्त 6:26 बजे | 23-08-2023 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
65,216.09 (+267.43)	19,393.60 (+83.45)

सोना	चांदी
6,127 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	76,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या करें

किसको सौंपे हम बागडोर,
सारे दल ही सत्तागामी।
कैसे हो पाए काम श्रेष्ठ,
अफसर दिखते भत्तागामी।
किस पर विश्वास करें कैसे,
नेता लगते धत्तागामी।
सिस्टम के पैरोकार आज,
फिक्सर, दलाल, पत्तागामी।।

चंद्रयान-2 ऑर्बिटर और चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल के बीच संपर्क हुआ स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

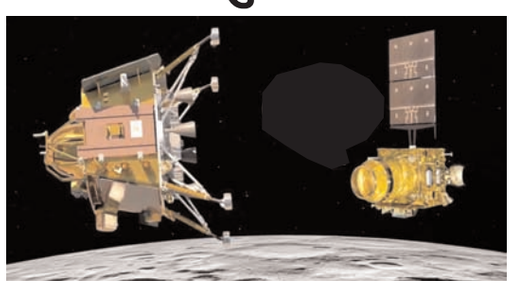

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि चंद्रयान-2 के 'आर्बिटर' और चंद्रयान-3 के 'लुनार मॉड्यूल' के बीच दोतरफा संचार स्थापित हुआ है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में कहा, स्वागत है दोस्त! चंद्रयान-2 आर्बिटर ने औपचारिक रूप से चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल का स्वागत किया। दोनों के बीच दोतरफा संचार स्थापित हो गया है। एमओक्स (मिशन ऑपरेशंस कॉम्पलेक्स) के पास अब लैंडर मॉड्यूल तक पहुंचने के लिए अधिक मार्ग हैं।

इसरो ने रविवार को कहा कि चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल के 23 अगस्त को शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। एमओएक्स यहां इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) में स्थित है। चंद्रयान-2 मिशन 2019 में भेजा गया था। इस अंतरिक्षयान में आर्बिटर, लैंडर और रोवर शामिल था। लैंडर के अंदर एक रोवर था।

दवाओं को सस्ता करने का आह्वान किया धनखड़ ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दवाओं को सस्ता करने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि व्यावसायीकरण जरूरतमंदों के लिए विनाशकारी हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान – एम्स के 48वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दवाओं को सस्ता करने और आम लोगों की पहुंच में बनायें रखने पर जोर दिया जाना चाहिए। हर क्षेत्र में व्यावसायिकता के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि थोड़ी सी ढील, थोड़ा सा व्यावसायीकरण, थोड़ा सी अनैतिकता जरूरतमंद लोगों के लिए विनाशकारी हो सकती।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया,केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, एम्स के निदेशक प्रो. एम. श्रीनिवास और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने दीक्षांत समारोह में भाग लिया।

धनखड़ ने कहा कि आयुष्मान भारत ने कमजोर वर्गों को एक सुरक्षा दी है। इस योजना ने अर्थव्यवस्था में भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने कई परिवारों को वित्तीय रूप से बर्बाद होने से बचाया है। भारत को विश्व की फार्मेसी बताते हुए उन्होंने आम आदमी के लिए दवाओं को सस्ता करने के लिए सभी पक्षों से थोड़ा और प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आप उस स्तर तक व्यवसाय नहीं कर सकते हैं जैसा कि सामान्य व्यवसाय में किया जा सकता है। इसमें एक सेवा तत्व अंतर्निहित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी योग्यता के अनुसार का रास्ता चुनना चाहिए।

जोकोविच ने जीता करियर का 39वां मास्टर्स 1000

मेसन/वार्ता। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन के रोमांचकारी फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को हराकर अपने करियर का 39वां एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। विश्व नंबर दो जोकोविच ने रविवार को खेले गये फाइनल में पिछड़कर वापसी करते हुए विश्व नंबर एक अल्काराज़ को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से मात दी। सर्बिया के 36 वर्षीय जोकोविच सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने वाले सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। जोकोविच पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में भी सिनसिनाटी की गर्मी के कारण संघर्ष कर रहे थे। जोकोविच दूसरे सेट में 5-6 से पिछड़कर फाइनल हारने की कगार पर थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए तीन घंटे और 49 मिनट में दूसरी बार सिनसिनाटी ओपन का खिताब हासिल किया।

मणिपुर हिंसा

पूर्व न्यायाधीश गीता मित्तल की समिति ने तीन रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर में जातीय हिंसा के पीड़ितों के राहत और पुनर्वास कार्यों पर निगरानी के लिए पूर्व न्यायाधीश गीता मित्तल की अगुवाई में गठित समिति ने पहचान संबंधी दस्तावेजों को फिर से बनाए जाने और मुआवजा योजना में सुधार करने की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय में तीन रिपोर्ट सौंपी। उच्चतम न्यायालय ने तीन रिपोर्ट पर विचार करते हुए कहा कि वह पूर्व न्यायाधीश मित्तल की समिति के कामकाज और प्रशासनिक आवश्यकताओं, प्रशासनिक एवं अन्य खर्चों को वहन करने के लिए वित्त पोषण तथा समिति द्वारा किए जा रहे काम के आवश्यक प्रचार के लिए एक वेब पोर्टल बनाने संबंधी मुद्दों से निपटने हेतु 25 अगस्त कोकुछ प्रक्रियागत निर्देश जारी करेगा।

नारीत्व में ही नेतृत्व समाहित है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'नारी शक्ति की अपार क्षमताओं' को रेखांकित करते हुए सोमवार को कहा कि विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए 'मिसाइल से संगीत' तक विविधि क्षेत्रों में नारी ने सफलताओं की ऊंचाइयों को छुआ है और नारीत्व में ही नेतृत्व समाहित है।

राष्ट्रपति ने आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (एडब्ल्यूडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं सभी देशवासियों की ओर से समस्त 'वीर नारी' बहनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर संतोष हुआ है कि वीर-नारी बहनों के कल्याण के लिए 'आह्वान' नामक योजना चलाई जा रही है। इसके लिए मैं 'आवा' की विशेष सराहना करती हूं। उन्होंने कहा कि 'आवा' द्वारा यहां प्रदर्शित की गई उद्यमिता प्रदर्शनी से भारत की नारी प्रतिभा की सुंदर झलक देखने को मिली है।

किसी भी बदलाव की शुरुआत, विचारों में बदलाव के साथ ही होती है, कुछ पुराने विचारों को छोड़ने और नए विचारों को अपनाने की जरूरत होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी बहनें सजावट से लेकर उपयोगिता क्षेत्र तक, अनेक सुंदर और उपयोगी वस्तुएं कुशलता के साथ बना रही हैं और प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं आशा करती हूं कि उद्यमशील महिलाओं की प्रतिभा और परिश्रम को निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

मुर्मू ने कहा कि सचमुच नारी में इतनी शक्ति है जिसके कारण उसे नारी शक्ति कहा जाता है। उन्होंने कहा कि अस्मिता' शब्द के प्रचलित अर्थ हैं, अस्तित्व का बोध होना' तथा 'आत्मगौरव का भाव होना'। उन्होंने कहा, नारी समुदाय में आत्म-गौरव की भावना के आधार पर ही एक गौरवशाली समाज और राष्ट्र का निर्माण करना संभव होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी बदलाव की शुरुआत, विचारों में बदलाव के साथ ही होती है, कुछ पुराने विचारों को छोड़ने और नए विचारों को अपनाने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, जन्म देने की क्षमता केवल नारी में ही है। नारी में नेतृत्व देने की क्षमता भी है, यह विश्वास सभी बहनों में होना चाहिए। नारीत्व में नेतृत्व समाहित है। मुर्मू ने कहा कि उनकी मुलाकात अनेकों ऐसे महिलाओं से हुई है जो परिश्रम के बल पर और चुनौतियों को पार करते हुए सफलता के शिखर पर पहुंची हैं। उन्होंने कहा, अधिकांश बहनों और बेटियों ने सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए गंभीर चुनौतियों का सामना किया है। मिसाइल से संगीत तक, हमारी बहनों ने असाधारण सफलता के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। सरल शब्दों में कहें तो 'नारी में अपार शक्ति है, नारी कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी नारी है, आज देश आर्थिक रूप से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और देश निरंतर आगे बढ़ने को प्रयासरत है।

राज्यसभा के नौ सदस्यों ने सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित नौ सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। राज्यसभा सचिवालय से जारी एक बयान के अनुसार राज्यसभा कक्ष में उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदस्यों को शपथ दिलाई। जयशंकर ने अंग्रेजी में शपथ ली। राज्यसभा सदस्य के रूप में यह उनका दूसरा कार्यकाल है। वह पहली बार वर्ष 2019 में निर्वाचित हुए थे। जयशंकर के अलावा राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेने वाले भारतीय जनता पार्टी सदस्यों में बाबूभाई जेसांगभाई देसाई (गुजरात), केसरीदेवसिंह दिग्विजय सिंह झाला (गुजरात) और नागेन्द्र राय (पश्चिम बंगाल) शामिल हैं। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के पांच सांसदों ने भी उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। इनमें डेरेक ओब्रायन, डोला सेन, सुखेन्दु शेखर रे, प्रकाश चिक बाराइक और समिरूल इस्लाम शामिल हैं।

अब एक-एक पैसा गरीबों के खातों में पहुंच रहा है : मोदी

2014 से पहले 'भ्रष्टाचार और घोटालों' का युग था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि 2014 से पहले देश में भ्रष्टाचार और घोटालों का युग था और गरीबों के अधिकार व उनके पैसे लूटे जा रहे थे, लेकिन अब हर पैसा सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रहा है।

मोदी ने नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पांच साल में 13.50 करोड़ भारतीय बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) श्रेणी से बाहर आ गए हैं।

मोदी ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि बड़ी संख्या में लोग कर चुका रहे हैं। यह सरकार में उनके विश्वास को दर्शाता है कि उनके पैसे का अच्छा उपयोग किया जा रहा है।

मोदी मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवनियुक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण-सह-अभिमुखीकरण कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'अमृत काल' के पहले साल में ही सकारात्मक खबरें आनी शुरू हो गई हैं, जो बढ़ती समृद्धि और घटती गरीबी को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पांच साल में 13.50 करोड़ भारतीय बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) श्रेणी से बाहर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि आयकर रिटर्न की संख्या से पता चलता है कि पिछले नौ वर्षों के दौरान भारतीयों की औसत आय बढ़कर 13 लाख रुपए हो गई है, जो 2014 में 4 लाख रुपए थी। उन्होंने कहा कि लोग निम्न से उच्च आय वर्ग की ओर बढ़ रहे हैं।

मोदी ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि सभी क्षेत्रों को ताकत मिल रही है और रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

राम मंदिर और पिछड़ों के प्रति कल्याण सिंह के सपनों को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया : अमित शाह

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पिछड़ों, गरीबों के कल्याण और राम मंदिर निर्माण के बाबूजी (कल्याण सिंह) के सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है।

सोमवार को यहां प्रदर्शनी मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि के मौके पर आयोजित 'हिंदू गौरव दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा 'जब बाबूजी उप्र के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को गति दी, गरीबों के कल्याण के भाजपा के विचार को जमीन पर उतारा और सामाजिक सद्भाव बिगाड़े बगैर पिछड़े समाज के लोगों के कल्याण को अपना लक्ष्य बनाया। मुझे खुशी है कि जो शुरुआत बाबूजी करके गए थे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ वर्षों में उसे पूरा किया। अमित शाह ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्रीराम' के नारों के बीच कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि दी और कहादिल्ली से आज एक ही काम के लिए आया हूं। भाजपा के वरिष्ठ नेता, राम भक्त और पिछड़ों के कल्याण के लिए उप्र में कार्यक्रम शुरू करने वाले कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि देने आया हूं। उन्होंने कहासभी लोगों के जीवन में कुछ पल आते हैं, जो उस व्यक्ति का परिचय करा देते हैं। बाबूजी के जीवन में ऐसे पल आए। राम भक्तों का सैलाब अयोध्या में उमड़ पड़ा।

अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर से अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। पिछले करीब चार वर्ष में आतंकवादियों की भर्ती की घटनाओं में भी वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों में पांच अगस्त 2019 से 16 जून 2023 के बीच 231 आतंकवादियों और उनके मददगारों की गिरफ्तारी की गई है जो 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 के बीच हुई ऐसी गिरफ्तारियों की तुलना में 71 प्रतिशत ज्यादा हैं।

केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों -- जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू क्षेत्र में आठ ग्रेनेड और 13 आईईडी हमले दर्ज किए गए। 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 तक चार ग्रेनेड और सात आईईडी हमले दर्ज किए गए थे। आईईडी विस्फोटों में हताहतों की संख्या 2015-19 में तीन से 2019-2023 में 73 प्रतिशत बढ़कर 11 हो गई।

अनुच्छेद 370 को हटाने से पहले और इसे हटाने के बाद के करीब चार वर्ष के आंकड़ों की तुलना करने पर पता चलता है कि आतंकवादियों द्वारा हमला कर भाग जाने की घटना में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ये मामले चार से बढ़कर सात हो गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, आतंकवादियों की भर्ती की घटनाओं में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और ये मामले आठ से बढ़कर 13 हो गए हैं।

पिछले तकरीबन चार वर्ष में आतंकी हमलों में आम लोगों और सुरक्षा बलों के हताहत होने की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 तक 11 आम लोग मारे गए थे जबकि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सात आम लोगों की जान गई है और इसमें 63 प्रतिशत की कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, आतंकवादी हमलों में पुलिस और सुरक्षा बलों के हताहतों में भी 13 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद विभिन्न हमलों में 29 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई है जबकि 32 अन्य जख्मी हुए हैं जबकि 27 अक्टूबर 2015 से चार अगस्त 2019 के बीच 33 कर्मियों की मौत हुई थी और 42 अन्य जख्मी हुए थे। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद हथियार छीनने की एक व पथराव की 19 घटनाएं हुईं और 16 बार हड़ताल व बंद का आह्वान किया गया। अनुच्छेद 370 हटाने से पहले के करीब चार वर्ष की अवधि की तुलना करें तो इनमें क्रमश: 80 प्रतिशत, 62 फीसदी और 42 प्रतिशत की कमी आई है। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि आतंकवाद से संबंधित घटनाएं ज्यादातर सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ तक ही सीमित हैं, जहां पांच अगस्त 2019 से पिछले चार वर्षों में विभिन्न मुठभेड़ों में 65 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया।

तेरापंथ सभा यशवंतपुर का गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ अक्टूबर में, तैयारियां शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में विराजित मुनिश्री हिमांशुकुमारजी एवं हेमंतकुमारजी की प्रेरणा से तेरापंथी सभा यशवंतपुर के तत्वावधान में मुम्बई में विराजित आचार्य श्री महाश्रमणजी के दर्शनार्थ 325 श्रावक श्राविकाओं का गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ 9 अक्टूबर को ट्रेन से रवाना होगा तथा 12 अक्टूबर को हवाई जहाज से वापसी होगी। सोमवार को मुनिश्री के सान्निध्य व प्रेरणा से गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ का बैनर का अनावरण किया गया। यात्रा संघ के मुख्य प्रायोजक कुलदीपकुमार, दीपककुमार, लविशकुमार कात्रेला परिवार, बगड़ी नगर शंकरपुरम ने तेरापंथ सभा यशवंतपुर को गुरु दर्शनार्थ संघ के लिए बड़ी राशि देकर सहयोग किया। इस मौके पर बास्केट ऑफ मनी प्रतिष्ठान परिवार का सभा की ओर से सम्मान किया गया। सभा अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा ने यात्रा संघ की सम्पूर्ण रूपरेखा मुनिश्री को बताई। सम्मान की कड़ी में सभा को सौहार्द अनुदान देने के लिए प्रकाशकुमार दीपककुमार विकासकुमार बाबेल यशवंतपुर का सम्मान किया गया।

तेरापंथ सभा गांधीनगर का विशिष्ट सभा के रूप में सम्मानित किए जाने के लिए गांधीनगर सभा अध्यक्ष कमल दुगड़ एवं उनकी टीम का यशवंतपुर सभा द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में यशवंतपुर सभा के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, महिला मंडल अध्यक्षा मीनाक्षी दक, अभातेयुप से विनोद मुथा, युवक परिषद अध्यक्ष जिगर मारु, गुरु दर्शनार्थ यात्रा के संयोजक दीपक सेठिया, सहसंयोजक विकास बाफना एवं अन्य पदाधिकारी व यशवंतपुर श्रावक समाज उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन गौतमचन्द मुथा ने किया।

तेयुप बेंगलूरु ने किया रक्तदान सप्ताह का शुभारंभ, पहले दिन 35 यूनिट रक्त संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् की शाखा परिषद तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा 27 अगस्त तक चलने वाले रक्तदान सप्ताह का शुभारंभ किया। पहले दिन फेडरेशन ऑफ कर्नाटक ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश मांडोत, खागा अध्यक्ष काश भोजानी एवं तेयुप अध्यक्ष रजत बैद ने प्रथम दिवस के शिविर का शुभारंभ किया। राष्ट्रोत्थान ब्लड सेंटर के सदस्यों के सहयोग से लाल बिल्डिंग मामुलपेट स्थित सूर्या फैशन में आयोजित इस कैंप में 35 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। झमकुदेवी पारसमल छाजेड़ परिवार के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में तेरापंथ सभा राजाजीनगर के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पितलिया, खागा मंत्री कैलाश बालड़, खागा सहमंत्री बिशनसिंह, लाल बिल्डिंग रिटेल एसोसिएशन अध्यक्ष रणजीत जैन, तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप चौपड़ा, उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, विवेक मरोठी, मंत्री रोहित कोठारी, सहमंत्री संदीप चोपड़ा, मनोज पोकरणा, कोषाध्यक्ष तरुण पटावरी, रक्तदान संयोजक सुधीर पोकरणा, सह संयोजक दीपक कटारिया, शिविर संयोजक विक्रम सेठिया आदि ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भेंट किए।

तीर्थंकर के गुण श्रवण से कर्म का क्षय होता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जो तीर्थ के निर्माता या संस्थापक होते हैं उन्हें तीर्थंकर अरिहंत कहते हैं। जिनका तीर्थंकर नाम कर्म का उदय होता है वे तीर्थंकर बनते है। संसार समुद्र से सिरने में जो सहायभूत बनता है वह तीर्थ है। व्यवहार से इसे चतुर्विध संघ कहते हैं। तीर्थंकर अरिहंत संसार की नदी को पार करने के लिए धर्म का घाट उपलब्ध कराते हैं। तीर्थंकर वे ही बनते हैं जिन्होंने पूर्व जन्म में तीर्थंकर नाम कर्म की प्रकृति का निर्माण किया हो। तीर्थंकर नाम कर्म विशिष्ट साधना, तपस्या आदि से कर्म सय के साथ स्वयमेव बंधनेवाली शुभ नाम कर्म प्रकृति है। यह पुण्य की विशिष्ट प्रकृति है। तीर्थंकर भगवंत के गुणगान से गुण श्रवण से कर्म का क्षय होता है। सोमवार को आचार्यश्री की निश्रा में प्रभुजी के जन्म कल्याणक पर अभिषेकादि किया गया। रविवार को राजेन्द्रसूरी दादावाडी में नवनिर्मित श्री शांतिनाथजी जिनालय के शिलान्यास का कार्यक्रम विधिविधानपूर्वक सम्पन्न हुआ।

अणुव्रत प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के निर्देशन में अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट 2023 की तैयारियों शुरु हो गई है। संपूर्ण देश से 550 प्लस स्कूलों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिए है। मैसूर अणुव्रत समिति द्वारा विभिन्न स्कूलों में प्रतियोगिताएं चल रही है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने मैसूर का दौरा कर कार्य को सराहा। मैसूर समिति के अध्यक्ष सुरेश देरासरिया ने बताया कि 105 कार्यकर्ता की टीम 25 स्कूल में प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं।

मायुमं स्टार्स शाखा ने खरीददारी व मनोरजंन के साथ मनाया हरियाली तीज उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने 'सावन की बेला, लाई तीज मेला' नामक हरियाली तीज उत्सव का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया। मंच के सदस्यों और उनकी पत्नियों ने भी कुल 350 जनों ने राजस्थानी पोशाक में सज-धज कर तीज के पूरे कार्यक्रम का आनंद उठाया। इस उत्सव में खरीददारी के लिए गहने, वस्त्र, राखियाँ, कार एक्सेसरीज के विभिन्न पेशेवर स्टॉल्स लगाए तथा मनोरंजक के लिए कठपुतली व अन्य मनोरंजक खेलों के स्टाल लगाए गए। 360-डिग्री वीडियो बूथ कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण केंद्र रहा। महिलाओं के मनोरंजन के लिए हाऊजी खेल,फैशन शो आदि का भी आयोजन किया गया। अंत में तीज क्वीन और अन्य खेलों के सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

श्याम भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्याम दीवाने द्वारा मासिक भजन संध्या का आयोजन रविवार को सरिता नन्दकिशोर चौधरी के निवास पर किया गया। श्याम दीवाने के संस्थापक सदस्य नन्दलाल सोनी एवं गिरि बागड़ी ने बाबा की अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की तथा देव कोठारी ने भगवान गणेश वंदना की। राजस्थान नोखा से आए भजन गायक मुरली पारीक और रामू सिसोदिया सहित स्थानीय भजन गायक पायल, स्वेता शर्मा, रामसुंदर बगड़िया, श्यामसुंदर बगड़िया, किशन बगड़िया, मनोज मेहता ने बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया गया। श्याम मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झँवर सहित अनेक श्याम भक्तों ने अपनी हाजरी लगाई। देव कोठारी ने 17 दिसम्बर को होने वाले श्याम वार्षिकोत्सव की जानकारी दी।

आरआर नगर तेरापंथी युवाओं ने बांटी राशन सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने सोमवार को ओल्ड एज होम एंड रिहेबिलिटेशन सेंटर मे निवासित निराश्रितों को टीम आरआर ग्रुप के सहयोग से जरूरत की राशन सामग्री उपलब्ध कराई। राशन सामग्री में आटा, चावल, दाल, तेल आदि शामिल थे। इस अवसर पर परिषद् से सेवा कार्य प्रभारी हितेश बोथरा, सहप्रभारी हिमांशु बोथरा, कार्यसमिति सदस्य नरेश बांठिया आदि उपस्थित थे।

राजाजीनगर में हर्षोल्लास से मनाया नेमीनाथ जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी की निश्रा में राजाजीनगर में सर्व प्रथमबार नेमीनाथ जन्म महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। बच्चों ने नाट्क की प्रस्तुति दी। संतश्री ने कहा कि किसी भी जीव को कभी हमारे कारण दुख नहीं होना चाहिए। इस संसार में जन्म तो अनेक लोग लेते हैं पर सफल तो उसका जन्म ही होता है जो सुख में लीन न बने और दुख में दीन न बने। भगवान का जन्म हमारे लिए बहुत बड़ा संदेश लाता है कि जगत के किसी भी जीव को आपके कारण सुख मिले या न भी मिले पर किसी भी जीव को कभी हमारे कारण दुख नहीं होना चाहिए। राज्य के लिए परमात्मा का जन्म आनंददायी होता। तीन लोक के जीवों के लिए सातादायक और सृष्टि के लिए कल्याणकारी होता है।

संतश्री ने प्रभु नेमीनाथजी का संक्षिप्त इतिहास बताते हुए कहा कि श्रावण शुक्ल पंचमी को शौरीपुर (उत्तर प्रदेश) में समुद्र विजय की रानी शिवा के गर्भ से प्रभु नेमीनाथ जिनेंद्र 22 वें तीर्थंकर का जन्म हुआ था। भगवान नेमीनाथ बचपन से ही संसार से विरक्त प्रकृति के थे। जूनागढ़ (गुजरात) के राजा अग्रसेन की पुत्री राजुल से उनका विवाह होना निश्चित हुआ। कहते है कि जब बारात निकल रही थी तो रास्ते में असंख्य पशुओं को वध के लिये ले जाते देखा, मन वैराग्य से भर गया.अत्यंत दुखी हो गए। उसी समय शादी नहीं करने का निश्चय कर संसार से विरक्ति कर गुजरात में गिरनार के पर्वत पर जा कर दीक्षा ग्रहण की।

प्रकृति भी प्रभु के पुण्य के आगे झुकती है : साध्वी संस्कारनिधि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी की निश्रा में परमात्मा नेमिनाथ के जन्म कल्याणक निमित्त भव्य स्नात्र महोत्सव मनाया गया। स्नात्रमहोत्सव के पश्चात विभिन्न औषधियों से परमात्मा का जन्म अभिषेक किया गया। सैकड़ों की संख्या में भक्तजनों ने परमात्मा की भक्ति का लाभ लिया। अध्यापक रोहितभाई शाह ने विधि-विधान संपन्न करवाया। संघ के ट्रस्टीगणों एवं धर्मनाथ सेवा मंडल ने व्यवस्था संभाली। साध्वीश्री ने कहा कि धरती पर परमात्मा का जन्म सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ घटना है। प्रकृति भी प्रभु के पुण्य के आगे झुकती है। चारों और वातावरण हरा भरा बन पाता है, प्रकाश की किरणें फैल जाती है। प्रभु का जन्म भूमि में हो जाए तो जीवन सफल हो जाए।

सिवांची महिलाओं ने कम्पली में किया बैंकिंग लिटरेसी के प्रति जागरुकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ ने प्रोजेक्ट 'बैंकिंग लिटरेसी और हुनर से पहचान एट स्टेट लेवल' के अंतर्गत बल्लारी डिस्ट्रिक्ट कम्पली में आयोजन किया। सरोज बागरेचा ने बेंगलूरु महिला संघ के अध्यक्ष सीमा मेहता, सचिव प्रीति चोरडिया, सहमंत्री डिंपल ओसवाल, प्रशिक्षक भारती छाजेड़ व नेहा चौधरी का स्वागत किया। सीमा मेहता ने कम्पली की महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली को सिखने पर जोर दिया तथा उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रीति चोरडिया ने सभी प्रायोजकों को धन्यवाद दिया तथा कहा कि प्रायोजकों के सहयोग से पूरे कर्नाटक में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रही है ।

प्रशिक्षिका भारती छाजेड़ ने बैंकिंग लिटरेसी की विभिन्न जानकारियां दी तथा महिलाओं को जागरुक रहने पर जोर दिया। नेहा चौधरी हुनर से पहचान वॉइस ओवर प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि महिलाएं किए प्रकार घर बैठे पैसा कमा सकती है। डिंपल ओसवाल ने कम्पली संघ के अध्यक्ष जवाहरलाल बागरेचा, मंत्री पारसमल हुंडिया, शांतिलाल बालर, गौतम बागरेचा, सरोज बागरेचा और संगीता दांतेवाडिया को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में करीब 50 महिलाएं व युवतियां कार्यक्रम का हिस्सा बनी।

आत्मा को परमात्मा में लीन करती है भक्ति और प्रार्थना : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नेमिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव अंतर्गत कालसर्प योग पितृदोष ग्रहदोष निवारण पूजन में कहा कि जब हम गाते हैं 'तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो.. तो प्रार्थना हमें तनावमुक्त करती है। आत्मा को परमात्मा में लीन करने का एक ही साधन है भक्ति और प्रार्थना।

ईश्वर तो ऑक्सिजन की तरह है। नजर तो नहीं आते पर उनके बिना जिया भी नहीं जा सकता है। यह प्रार्थना का ही चमत्कार है कि आचार्य मानतुंग की बेडिय़ाँ टूट गईं, द्रौपदी की चीर रक्षा हुई, प्रह्लाद अग्नि में न जल पाया, मीरा का ज़हर का प्याला अमृत में बदल गया। प्रार्थना हमारे भीतर विश्वास पैदा करती है कि प्रभु हमारे साथ है।

साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने समस्त विधियां शुद्ध उच्चारण से करवाई। मेघराज भंसाली ने बताया कि मुख्य पीठीका के लाभार्थी नेमीचंद जितेन्द्र संजय वेदमुथा परिवार का संघ द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर तुलसी चेतना केंद्र के ललित मांडोत एवं साध्वी भव्यगुणाश्रीजी के सांसारिक परिवारजनों का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया। मेघराज भंसाली, धीरज भंडारी, नेमीचंद वेदमुथा, तिलोकचन्द भंडारी, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, सुरेश वाणीगोता, गुलाबचंद वाणीगोता, दिलीप कांकरिया, रमेश पालगोता, जयंतीलाल नाहर, कीर्तिकुमार बंदामुथा आदि उपस्थित रहे। आरती का लाभ नेमिचंद वेदमुथा ने लिया। गुरुदेव की आरती का लाभ दिलीप कांकरिया ने लिया। संगीतकार विपिन पोरवाल एवं दीपक करणपुरिया ने भजनों की प्रस्तुति दी ।

नेमिनाथ प्रभु का जन्मकल्याणक उत्सव उत्साह से मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी की निश्रा में बाईसवें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ प्रभु का जन्मकल्याणक उत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुनिश्री ने तीर्थंकर प्रभु की आत्मा जब देवलोक में से च्यवनकर जब माता की कुक्षी में आते है, तो जहां पर पीडा-दुःख सतत असह्य वेदना होती है, वहां पर नारकी के जीवों को भी क्षण मात्र की सुख की अनुभूति होती है और देवलोक में तो खुशियों का कोई पार नहीं है, वो देवता आकर, प्रभु का जन्मोत्सव मनाते

है। नेमिनाथ परमात्मा के जन्मकल्याणक अवसर पर भव्य प्रस्तुति हुई। 14 महास्वपनों, माता-पिता- इन्द्र-इन्द्राणी एवं ज्योतिष-छडीदार और प्रियंवदा दासी द्वारा श्री नेमिनाथ प्रभु की जन्म की बधाई कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। संघ सचिव नरेंद्र आच्छा ने बताया कि गुरुदेव की निश्रा में सामूहिक अठ्ठाई का आयोजन चल रहा है।

भगवान महावीर के मार्ग पर चलने से मानव महामानव बन सकता है : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर के मार्ग पर चलने से मानव महामानव बन सकता है। कंकर से शंकर बन सकता है। प्रभु महावीर ने दो मार्ग बताए हैं। पहला श्रेय मार्ग अर्थात श्रेष्ठ लगने वाला मार्ग । इस मार्ग पर चलने वाला अच्छा आचरण करता है। उसके जीवन में अनेक संकट आ सकते हैं पर अंत बहुत अच्छा होता है। दूसरा है प्रेय मार्ग। इस मार्ग पर चलने वाले का अपनी प्रिय वस्तुओं से उसका लगाव रहता है संसार में रचा पचा रहता है। जिससे राग द्वेष रहता है ।प्रेय मार्ग पर चलने वाला भौतिक साधनों और समृद्धि की चकाचौंध में फंस जाता है। हमेशा पसंद नापसंद के चक्कर में उलझा हुआ रहता है। इस मार्ग पर चलने वाले का अंत अच्छा नहीं होता है। श्रेय मार्ग शुरू में दुखदाई होता है परंतु उसका फल बहुत अच्छा होता है। हमारे सामने गजसुकुमाल का उदाहरण आता है। गजसुकुमाल कृष्ण महाराज के छोटे भाई थे। एक बार उन्होंने भगवान नेमिनाथ की वाणी सुनी और कृष्ण महाराज से आज्ञा लेकर दीक्षा ली। दीक्षा लेने के तुरंत बाद भिक्षु की बारहवीं प्रतिमा की आराधना करने के लिए महाकाल शमशान चले गए। सोमिल द्वारा उनके सिर पर मिट्टी की पाल बांधकर धधकते अंगारे रख दिए गए। पर श्रेय मार्ग पर चलने वाले गजसुकुमाल ने उस अपार वेदना को समभाव पूर्वक सहन किया और टस से मस नहीं हुए और मोक्ष के अक्षय सूखो को प्राप्त कर लिया । अभी हमें तय करना है कि हमें कौन सा मार्ग अपनाना है। जितने भी महापुरुष हुए सभी ने श्रेय मार्ग का अनुसरण किया और अपने जीवन को धन्य बना दिया । इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि श्रावक की तीन भूमिकाएं होती है सबसे पहली भूमिका माता-पिता के समान। दूसरी भूमिका भाई के समान और तीसरी भूमिका मित्र के समान होती है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। साध्वीजी के सानिध्य में रविवार को युगल शिविर का आयोजन रखा गया जिसमें साठ से अधिक दंपतियों ने भाग लिया। इस शिविर में सुखी दांपत्य जीवन जीने के गुरु सिखाए गए। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

पलानीस्वामी ने बीजेपी पर साधा निशाना, कहा

मैं अपनी पार्टी का अकेले निर्विरोध नेता हूं...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मदुरै की जनसभा में अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि वह अपनी पार्टी के अकेले निर्विरोध नेता हैं। ईपीएस के चुनाव को वैध ठहराए जाने के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी सार्वजनिक बैठक थी। अन्नाद्रमुक ने रविवार को एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। अदालत द्वारा पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए ईपीएस के चुनाव को वैध ठहराए जाने के बाद पार्टी की यह पहली बड़ी सार्वजनिक बैठक थी।

उन्होंने कहा, 'के. अन्नामलाई के अध्यक्ष बनने के बाद से भाजपा बार-बार ईपीएस और एआईएडीएमके पर निशाना साध रही है। उन्होंने साफ किया, पार्टी को एआईएडीएमके के समर्थन के बिना ही 2024 के लोकसभा चुनावों का भी सामना करना पड़ेगा।

विशाल रैली ईपीएस का स्पष्ट संदेश थी कि वह पार्टी के सर्वोच्च नेता हैं और एमजीआर और जे. जयललिता के बाद वह पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) जैसे नेताओं को पार्टी से निकालने के बाद एआईएडीएमके संकट से जूझ रही थी। पार्टी ने वी.के. शशिकला और टीटीवी दिनाकरन जैसे नेताओं को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया था। ये तीनों नेता शक्तिशाली थेवर समुदाय से हैं, जिसकी दक्षिण तमिलनाडु में मजबूत उपस्थिति है। दक्षिण तमिलनाडु के मदुरै में विशाल रैली कर ईपीएस ने यह भी साबित कर दिया है कि वह राज्य में कहीं भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। ऐसे उदाहरण हैं जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने अपने प्रवक्ता और पूर्व मंत्री डी. जयकुमार सहित अन्नाद्रमुक के दूसरे पायदान के नेताओं के साथ विवाद किया है।

विशाल रैली के साथ, ईपीएस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी में उनकी हुकूमत चलती है और वह तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल के एकमात्र निर्विवाद नेता हैं। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेले नहीं उतर सकती, लेकिन तमिलनाडु में पार्टी की कमान संभालने के बाद अन्नामलाई अकेले उतरने की वकालत कर रहे हैं।

अन्नाद्रमुक के अनुमान के अनुसार मदुरै रैली में लगभग 10 लाख लोगों ने भाग लिया, यह भाजपा के राज्य और राष्ट्रीय नेतृत्व दोनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि प्रमुख विपक्षी दल तमिलनाडु में एक बड़ी ताकत है और यह एक तरफ नहीं धकेला जा सकता।

कन्याकुमारी स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल स्टडीज के निदेशक डॉ. अरविंदन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, भाजपा का स्थानीय नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि अन्नाद्रमुक के पास अब कोई जमीनी समर्थन नहीं है। के.अन्नामलाई अन्नाद्रमुक के विरोध में उतरते रहे हैं। मदुरै में विशाल रैली के साथ, ईपीएस ने स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है कि वह एक ताकत है और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान इसका प्रभाव दिखेगा।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने हरित छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने सोमवार को मुख्यमंत्री 'हरित छात्रवृत्ति कार्यक्रम' की शुरुआत की जिसका मकसद अन्य लक्ष्यों के साथ जलवायु परिवर्तन को लेकर जागरूकता पैदा करना है। जिलों में हरित पहलों को लागू करना इसका एक अहम उद्देश्य है एवं इसके तहत 40 हरित शोधार्थियों' को कार्यक्रम के ज्ञान साझेदार और सरकारी अन्ना विश्वविद्यालय से संबद्ध ऊर्जा अध्ययन संस्थान द्वारा चुना गया है। छात्रवृत्ति पहल के तहत एक कार्यक्रम प्रमुख और उससे जुड़े चार अनुसंधान सहयोगी होंगे।

कार्यक्रम के शोधार्थी राज्य सरकार के पर्यावरण और सतत विकास लक्ष्यों और नीतियों के अनुरूप जिला प्रशासन की पर्यावरण संबंधी पहलों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और नीतिगत मामलों में मदद करेंगे। नवनियुक्त 40 शोधार्थियों में से 38 एक-एक जिले पर ध्यान केंद्रित करेंगे और दो अन्य राज्य स्तर पर कार्य करेंगे। हरित पहल के लिए नियुक्त शोधार्थियों को 60 हजार रुपये महीने की दर से वजीफा मिलेगा और यह मियाद दो साल की होगी। कार्यक्रम की शुरुआत करने के दौरान मुख्यमंत्री स्टालिन ने शोधार्थियों से राज्य सचिवालय में मुलाकात की। यहां जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, इस कार्यक्रम को युवाओं के मंच के तौर पर तैयार किया गया है जहां वे पर्यावरण संरक्षण, नवीनीकरण ऊर्जा, जैव विविधता और सतत विकास के क्षेत्र में प्रतिबद्धता से कार्य कर सकेंगे। सफलतापूर्वक छात्रवृत्ति कार्यक्रम संपन्न होने के बाद हरित शोधार्थी को अन्ना विश्वविद्यालय जलवायु परिवर्तन एवं संवहनीयता में परास्नातक डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाएगी।

जल्लीकट्टू बैलों को मिलेगी यूनिक आईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्टालिन सरकार जल्लीकट्टू बैलों को विशिष्ट आईडी देने पर काम कर रही है। हर साल तमिलनाडु के 20 जिलों में आयोजित होने वाली जल्लीकट्टू और बैल रेसिंग में लगभग 16 हजार से 19 हजार बैल भाग लेते हैं। अब तमिलनाडु सरकार सांडों की नाक के निशान का उपयोग करके सांडों को विशिष्ट आईडी प्रदान करने और सांडों का एक व्यापक डेटा बैंक बनाने की तैयारी कर रही है।

राज्य सरकार पारंपरिक खेल को सुव्यवस्थित करने और पूरे जल्लीकट्टू और बुल रेसिंग टूर्नामेंट को एक ही मंच पर लाने की कोशिश कर रही है, ताकि खेल के लिए एक संगठित व्यवस्था हो। तमिलनाडु ई-गवर्नेंस एजेंसी तमिलनाडु पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान विभाग के साथ मिलकर एक नया पोर्टल बनाएगी जिसमें राज्य भर में जल्लीकट्टू बैल के बारे में सारी जानकारी होगी। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार के पास राज्य में जल्लीकट्टू बैलों की संख्या का विशिष्ट विवरण नहीं है और पशु चिकित्सा और पशुपालन विभाग बैलों की भलाई और उनकी व्यस्तता पर नज़र रखने के लिए एक समर्पित मंच स्थापित करेगा। तमिलनाडु सरकार 14 से 17 जनवरी तक अलंगनल्लूर, पलामेडु और अवनियापुरम में जल्लीकट्टू कार्यक्रम आयोजित करती है।

हालांकि, कई खेल प्रेमी और बैल खेल प्रेमी जनवरी से 31 मई तक राज्य भर के छोटे गांवों और कस्बों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते हैं। संबंधित जिला प्रशासन से अनुमति लेने के बाद जिसमें पुलिस, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। नया पोर्टल तमिलनाडु के कई गांवों और मुफस्सिल कस्बों में आयोजित होने वाले जल्लीकट्टू टूर्नामेंट के लिए मंजूरी देने में लगने वाले समय को कम करने में मदद करेगा। सांडों की स्वास्थ्य स्थिति और उनकी विशेष जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। गौरतलब है कि जल्लीकट्टू टूर्नामेंट को मंजूरी देने में देरी के खिलाफ तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ था। बुल फाइटिंग या जल्लीकट्टू को तमिलनाडु में एक पारंपरिक खेल माना जाता है जो पोंगल (15 जनवरी) से शुरू होता है और मई तक जारी रहता है।

कावेरी नदी जल बंटवारा विवाद की सुनवाई के लिए न्यायालय एक पीठ का गठन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह कावेरी नदी जल बंटवारे को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच दशकों पुराने विवाद की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेगा। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया था।

तमिलनाडु की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि अगस्त महीने के लिए पानी छोड़ने की मांग करते हुए राज्य सरकार की ओर से एक आवेदन दायर किया गया है, जिसका आदेश कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने दिया है। रोहतगी ने शीर्ष अदालत से कहा कि इस मामले की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करना होगा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आज मैं एक पीठ का गठन करूंगा।तमिलनाडु ने 11 अगस्त को कहा था कि कावेरी जल का अपना वास्तविक हिस्सा पाने के लिए उसके पास शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इसने दलील दी थी कि रुख में बदलाव करते हुए, कर्नाटक हर दिन केवल 8,000 क्यूसेक (घन फुट प्रति सेकंड) की कम मात्रा जारी करने के लिए तैयार था। राष्ट्रीय राजधानी में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) की अगस्त में हुई बैठक का जिक्र करते हुए, तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने कहा था कि चर्चा के दौरान राज्य के अधिकारियों द्वारा कावेरी जल की आवश्यकता को जोरदार ढंग से रखा गया था। उन्होंने कहा, हालांकि, कर्नाटक ने हमेशा की तरह अपना रुख बदल दिया और स्पष्ट रूप से कहा कि वह केवल 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ सकता है और वह भी केवल 22 अगस्त तक।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने सनी देओल की संपत्ति की नीलामी ली वापस,कांग्रेस ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने कर्ज अदा न करने पर भाजपा सांसद और अभिनेता सनी देओल की मुंबई संपत्ति की नीलामी के अपने फैसले को वापस ले लिया है। बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख संघ ने बैंक के इस कदम की आलोचना की है। 30 जून तक 34,832.16 करोड़ रुपये के सकल गैर-निष्पादित ऋण से लदे बैंक ने लगभग 56 करोड़ रुपये की ऋण राशि और उस पर ब्याज का भुगतान न करने पर अभिनेता सनी देओल की मुंबई संपत्ति की नीलामी करने के अपने फैसले को वापस लेने का फैसला किया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को अभिनेता से नेता बने सनी देओल के जुहू स्थित आवास की ई-नीलामी के लिए बैंक नोटिस वापस लेने को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर तंज कसा और कहा, आश्चर्य है कि इन तकनीकी कारणों को किसने शुरू किया।पार्टी के महासचिव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, कल दोपहर को देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 56 करोड़ रुपये का कर्ज वापस न करने पर भाजपा सांसद सनी देओल के जुहू स्थित आवास को ई-नीलामी के लिए रखा है।

आज सुबह, 24 घंटे से भी कम समय में, देश को पता चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'तकनीकी कारणों' से नीलामी नोटिस वापस ले लिया है।कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने कहा, आश्चर्य है कि इन 'तकनीकी कारणों' को किसने शुरू किया? अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सी.एच.वेंकटचलम ने बताया, ऐसा लगता है कि यह बीजेपी की फोन बैंकिंग शैली है।

गौरतलब है कि इसके पहले भाजपा आरोप लगाती थी कि जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी, तो उसके नेता अपने पसंदीदा लोगों को ऋण स्वीकृत करने के लिए बैंकरों को बुलाते थे।

बैंक ने सोमवार को एक अखबार के विज्ञापन में कहा कि अजय सिंह देओल उर्फ सनी देओल की संपत्ति नीलामी के फैसले को तकनीकी कारणों से वापस ले लिया गया है। रविवार को अखबार के विज्ञापन में, जिसे सोशल मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा कि कर्जदार सनी देओल पर 26 दिसंबर, 2022 से ब्याज और लागत के साथ बैंक का लगभग 55.99 करोड़ रुपये बकाया है। क्या बैंक ने अभिनेता का नाम 'अजय सिंह देओल' के बजाय 'अजय सिंग देओल' लिख दिया है, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है। बैंक के अनुसार, जिस संपत्ति को ई-नीलामी में रखा गया था, उसका क्षेत्रफल 599.44 वर्ग मीटर है और यह मुंबई के जुहू इलाके में स्थित सनी विला के नाम से जाना जाता है।

सनी देओल को उधारकर्ता/गारंटर बताया गया था और अन्य गारंटर धर्मेंद्र सिंह देओल और सनी साउंड्स प्राइवेट लिमिटेड हैं। बैंक ने वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2022 के तहत संपत्ति की नीलामी करने का निर्णय लिया। आरक्षित मूल्य करीब 51.43 करोड़ रुपये और धरोहर राशि करीब 5.14 करोड़ रुपये तय की गई थी।

नीलामी नोटिस बैंक ऑफ बड़ौदा की ज़ोनल स्ट्रेस्ड एसेट रिकवरी ब्रांच, बैलार्ड एस्टेट, मुंबई द्वारा जारी किया गया था। रविवार को जब आईएएनएस ने बैंक ऑफ बड़ौदा के ई-नीलामी विज्ञापन पर उनकी प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की, तो सनी देओल फोन पर उपलब्ध नहीं थे। नीलामी नोटिस वापस लेने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एआईबीईए के वेंकटचलम ने कहा, जाहिर तौर पर यह राजनीति है। भाजपा के कारण नीलामी नोटिस वापस ले लिया गया। हम इसकी जांच की मांग करते हैं कि नीलामी को वापस लेने का फैसला किसने और क्यों किया। इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए।

चंद्रयान 2 के ऑर्बिटर ने किया चंद्रयान 3 का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

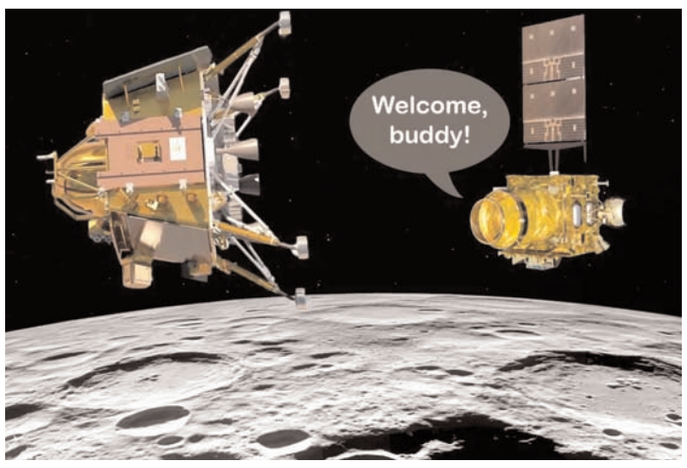

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रमा दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में 23 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग करने जा रहे चंद्रयान-3 का सोमवार को चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने औपचारिक रूप से स्वागत किया। इसरो ने एक्स पर प्रेषित किये संदेश में कहा कि दोनों के बीच संचार स्थापित हो गया है।

उन्होंने कहा, चंद्रयान -3 मिशन: आपका स्वागत है, दोस्त। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने औपचारिक रूप से चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच संचार स्थापित हो गया है। मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स) के पास अब लैंडर मॉड्यूल तक पहुंचने के लिए अधिक मार्ग हैं। उन्होंने कहा कि भारत के दूसरे चंद्र मिशन चंद्रयान -2 को जुलाई 2019 में लॉन्च किया गया था और सितंबर 2019 में लैंडिंग साइट के बहुत करीब तकनीकी खराबी के कारण लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह मिशन 99.99 प्रतिशत सफल रहा था।

इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 यान 23अगस्त को 1804 बजे चंद्रमा पर उतरेगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने रविवार सुबह लैंडिंग मॉड्यूल का दूसरी और अंतिम बार गति कम करने के लिए डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) ऑपरेशन किया। उन्होंने बताया कि स्तह उतरने पर रोवर को चंद्रमा पर यथास्थान प्रयोग करने के लिए लैंडिंग मॉड्यूल से बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने बताया है कि दूसरा डीबूस्टिंग अभियान रविवार सुबह 0200 बजे किया गया और लैंडिंग मॉड्यूल निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करेगा और 23 अगस्त को संचालित लैंडिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान अब चंद्रमा से करीब 25 किलोमीटर दूर है।

इसरो ने कहा, मॉड्यूल को आंतरिक जांच से गुजरना होगा और निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करना होगा। इसरो ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर सुचारू रूप से उतरने के लिए तैयार चंद्रयान-3 भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि भारतीय विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि अंतरिक्ष अन्वेषण में हमारे देश की प्रगति का प्रतीक है। चंद्रयान-3 का सुचारू रूप से (सॉफ्ट लैंडिंग) एक यादगार क्षण है जो न केवल जिज्ञासा बढ़ाता है, बल्कि हमारे युवाओं के मन में अन्वेषण के लिए जुनून भी जगाता है। उन्होंने कहा, यह गर्व और एकता की गहरी भावना पैदा करता है क्योंकि हम सामूहिक रूप से भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शक्ति का जश्न मनाते हैं। यह वैज्ञानिक जांच और नवाचार के माहौल को बढ़ावा देने में योगदान देगा।

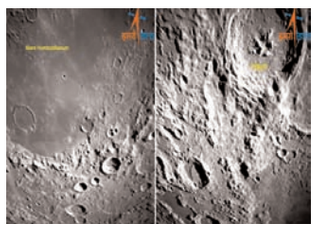

चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र की तस्वीरें ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को चंद्रयान-3 द्वारा चांद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग' करने से पहले चंद्रमा के इसके सुदूर हिस्से की तस्वीरें जारी कीं। इसरो ने कहा कि ये तस्वीरें लैंडर हैज़र्ड डिटेक्शन एंड अवॉइडेंस कैमरा (एलएचडीएसी) द्वारा ली गई हैं। इसरो ने एलएचडीएसी द्वारा ली गई सभी चार तस्वीरों को जारी किया है। यह कैमरा, लैंडिंग के दौरान पत्थरों या गहरी खाई के बिना एक सुरक्षित लैंडिंग क्षेत्र का पता लगाने में सहायता करता है, इसरो ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), बेंगलूरु में विकसित किया है।

एसएसी, इसरो के प्रमुख केंद्रों में से एक है जो इसरो के अभियानों के लिए अंतरिक्ष उपकरणों का डिजाइन एवं सामाजिक लाभ के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों का विकास और संचालन पर केंद्रित है। अनुप्रयोगों में संचार, प्रसारण, नेविगेशन, आपदा निगरानी, मौसम विज्ञान, समुद्र विज्ञान, पर्यावरण निगरानी और प्राकृतिक संसाधन सर्वेक्षण आदि शामिल हैं।

रूस के लूना-25 चंद्र मिशन की नाकामी का चंद्रयान-3 अभियान पर कोई असर नहीं होगा : इसरो वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। रूस के लूना-25 चंद्र मिशन की नाकामी का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-3 अभियान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत के शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी।

रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस ने रविवार को एक बयान में कहा कि अनियंत्रित कक्षा में प्रवेश करने के बाद लूना-25 अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चंद्रयान-2 मिशन को 2019 में भेजे जाने के समय इसरो प्रमुख रहे के. सिवन ने सोमवार को कहा, इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। उनसे यह पूछा गया था कि रूसी मिशन की नाकामी के बाद क्या इसरो सॉफ्ट लैंडिंग' से पहले अतिरिक्त दबाव में है।

इसरो ने रविवार को कहा था कि चंद्रयान-3 मिशन का 'लैंडर मॉड्यूल' चंद्रमा की सतह पर बुधवार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर उतरने वाला है।

सिवन ने कहा, 'यह (चंद्रयान-3 मिशन) योजना के मुताबिक आगे बढ़ रहा। यह (सॉफ्ट लैंडिंग) योजना के अनुसार होगा। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार (चंद्रयान-2) के उलट यह (सतह पर उतरने में) सफल रहेगा।'

इसरो के पूर्व अध्यक्ष जी माधवन नायर ने कुछ हलकों में हो रही इस चर्चा को खारिज कर दिया कि भारत और रूस चंद्रमा पर पहुंचने की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लूना-25 का दुर्घटनाग्रस्त होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा, 'मैं (लैंडर) मॉड्यूल के बारे में जानता हूं। यह 2008 में तैयार हो गया था। जब मैंने प्रयोगशाला (रूस में) का दौरा किया था, उन्होंने मुझे मॉड्यूल दिखाया था। उनके पास उस वक्त उसे मिशन पर भेजने के लिए संसाधन नहीं थे।, इसलिए इसे लंबे समय तक ठंडे बस्ते में रखा गया था।'

चंद्रयान-3 मिशन पर इसका कोई असर पड़ने की संभावना से इनकार करते हुए नायर ने कहा कि 'भारत का यह मिशन पूरी तरह से आत्मनिर्भर है और हम हम उन पर (रूस पर) निर्भर नहीं हैं।'

अभी रूस के साथ भारत का अंतरिक्ष सहयोग मानव को अंतरिक्ष में भेजने के गगनयान अंतरिक्ष अभियान के लिए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण देने तक सीमित है।

चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने की प्रक्रिया बेहद 'जटिल' : पूर्व इसरो प्रमुख माधवन नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर मॉड्यूल के बुधवार को अपेक्षित 'टचडाउन' (उतरने की प्रक्रिया) से पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष जी. माधवन नायर ने योजना के अनुरूप सब कुछ सफल होने की कामना करते हुए कहा कि 'टचडाउन' बहुत ही जटिल प्रक्रिया है और सभी को सतर्क रहना होगा, क्योंकि इसकी सफलता के लिए जरूरी है कि सभी प्रणाली एकसाथ काम करें। चंद्रयान-1 मिशन के प्रक्षेपण के वक्त 2008 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का नेतृत्व कर रहे नायर ने कहा कि एक सफल लैंडिंग ग्रहों के अन्वेषण के अगले चरण के लिए इसरो की एक बड़ी शुरुआत होगी।

उन्होंने सोमवार को कहा, 'यह (लैंडिंग) एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। हम आखिरी दो किलोमीटर (चंद्रमा की सतह से

ऊपर) में ऐसा (चंद्रयान -2 मिशन में चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग) करने से चूक गए।'

नायर ने कहा, 'तो ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जिन्हें एक साथ काम करना होगा...थ्रस्टर, सेंसर, अल्टीमीटर, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और बाकी सभी चीजें। कहीं भी कोई गड़बड़ी होने पर...हम मुसीबत में पड़ सकते हैं।' उन्होंने कहा, हमें वास्तव में सतर्क रहना होगा और निगरानी रखनी होगी। बेशक, मैं समझता हूं कि इसरो ने पर्याप्त सिमुलेशन (अनुकूलन तैयारी) किया है और अतिरेक को लेकर भी काम किया है ताकि ऐसी विफलता की संभावना कम हो। फिर भी, हमें अपनी तरफ से दुआ करनी होगी। इसरो के अनुसार, रोवर के साथ लैंडर मॉड्यूल के बुधवार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है।

नायर ने कहा, हम (चंद्रमा की) सतह से जो आंकड़े एकत्र कर सकते हैं, वह कुछ खनिजों की पहचान करने में उपयोगी होगा...दुर्लभ खनिज, ...हीलियम-3 इत्यादि। यह भी जांचने का प्रयास किया जाएगा कि हम अन्वेषण या मानव उपस्थिति के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास किस प्रकार की व्यवस्था कर सकते हैं। यह (सफल सॉफ्ट-लैंडिंग) इसरो के ग्रह अन्वेषण के अगले चरण के लिए एक बड़ी शुरुआत होने जा रही है।

मेरी तीन पीढ़ियों का संजीवनी घोटाले से कोई वास्ता नहीं : गजेंद्र शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उनकी 'तीन पीढ़ियों' का कथित संजीवनी क्रेडिट सहकारी सोसायटी घोटाले से कोई वास्ता नहीं है। शेखावत की यह प्रतिक्रिया राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इस मामले में भाजपा नेता की बेगुनाही पर सवाल उठाए जाने के एक दिन बाद आयी है। गहलोत जोधपुर से भाजपा सांसद शोखवत पर बार-बार संजीवनी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते रहे हैं। संजीवनी घोटाले में लाखों निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी हुई है।

शेखावत ने उन्हें इस घोटाले से जोड़ने के आरोपों को सिरे से खारिज किया और गहलोत के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में मानहानि का मुकदमा भी दायर किया है। शेखावत द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कराए गए मानहानि के मुकदमे से जुड़े एक सवाल पर मुख्यमंत्री गहलोत ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने जो कुछ भी कहा वह कथित घोटाले पर राजस्थान पुलिस के विशेष संचालन समूह की रिपोर्ट पर आधारित है।

सड़क हादसे में दो की मौत

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक ट्रक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी राम अवतार मीणा ने बताया कि यह हादसा रविवार रात को जिले के तिलकपुरी गांव के पास हुआ जब तीन लोग एक अस्पताल से बाइक से लौट रहे थे।

सीपीए इंडिया के प्रयास लोकतंत्र को देंगे मजबूती : अशोक सगहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) इंडिया लोकतांत्रिक प्रणाली की मजबूती के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर विचारों और नवाचारों से लोक कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सम्मेलन के जरिए विशेषज्ञों के विचारों से जनप्रतिनिधियों का ज्ञानवर्द्धन होगा, जिससे हमारा लोकतंत्र और सुशासन अधिक मजबूत होगा। गहलोत सोमवार को उदयपुर में सीपीए भारत क्षेत्र के 9वें सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सीपीए राजस्थान शाखा की मेजबानी में हुए सम्मेलन में कहा कि डिजिटल युग में लोकतंत्र की मजबूती, गुड गवर्नेंस और देश निर्माण में जनप्रतिनिधियों की भूमिका के लिए यह सम्मेलन उपयोगी साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी द्वारा देश में कम्प्यूटर इस्तेमाल को मिशन मोड पर लिए जाने से ही आज गुड गवर्नेंस सुनिश्चित हो सकी है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.सी.पी. जोशी द्वारा राजस्थान में सीपीए की गतिविधियों और विधानसभा में किए गए अभिनव प्रयासों की भी सराहना की।

गहलोत ने कहा कि आईटी का योजनाओं में सर्वश्रेष्ठ उपयोग और नए इनोवेशन करने में राजस्थान देश में अग्रणी राज्य बन गया है। राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने में आईटी की बड़ी भूमिका है। लगभग 80 हजार ई-मित्र केंद्रों से 550 से अधिक सेवाओं को आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, गैस सिलेंडर सब्सिडी, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना का सीधा लाभ (डीबीटी) भी आईटी से ही सम्भव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट, राजीव गांधी सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के जरिए प्रदेश में इनोवेशन हब विकसित किया जा रहा है। राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी और गिग वर्कर्स कानून भी आईटी से ही धरातल पर साकार हो रहे है। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में प्रबंधन को लेकर 350 से अधिक वीडियो कॉन्फ्रेंस की गई। इसी आईटी से ही राजस्थान कोविड मैनेजमेंट में देश-दुनिया में मॉडल स्टेट बना।

सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, सीपीए मुख्यालय के चेयरपर्सन इयान लिडेल ग्रेंजर, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, सीपीए राजस्थान के सचिव संयम लोढ़ा ने भी सम्बोधित किया। इस सम्मेलन में विभिन्न विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, राजस्थान के मंत्रीगण और विधायकों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अशोक गहलोत अपने बेटे की हार से हताश हैं : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले लोकसभा चुनाव में अपने बेटे की हार से हताश हैं और यही कारण है कि वह उनके खिलाफ बयान देते रहते हैं। शेखावत ने 2019 के लोकसभा चुनाव में जोधपुर सीट पर गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को हराया था। शेखावत ने यह भी कहा कि संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में न तो उनकी और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य की कोई संलिप्तता थी तथा गहलोत द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं।

शेखावत को इस साल अप्रैल में 900 करोड़ रुपये के कथित संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में आरोपी बनाया गया था। शेखावत द्वारा गहलोत के खिलाफ दायर मानहानि का मामला पहले से ही दिल्ली की एक अदालत में लंबित है।

जलशक्ति मंत्री ने पेपर लीक मामलों को लेकर भी गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि यह लोगों को तय करना चाहिए कि पेपर लीक पर कार्रवाई की जानी चाहिए या नहीं। उन्होंने जैसलमेर में संवाददाताओं से कहा, अशोक गहलोत लोकसभा चुनाव में अपने बेटे की हार की हताशा में बयान देते रहते हैं।

उन्होंने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैंने कोई पाप नहीं किया है। मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की संजीवनी क्रेडिट सहकारी सोसायटी घोटाले में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संलिप्तता नहीं है।

उन्होंने पेपर लीक की घटनाओं पर कहा कि गहलोत सरकार के साढ़े चार साल के शासन में प्रतियोगी परीक्षाओं के 17 पेपर लीक हुए। उन्होंने कहा, गहलोत कहते थे कि पेपर लीक में कोई अधिकारी या नेता शामिल नहीं है, लेकिन आरएसपीसी का एक सदस्य जेल में है। मुख्यमंत्री पेपर लीक मामलों में 'ईडी' जांच के बारे में किसी भी बात को खारिज कर देते हैं क्योंकि उन्हें चिंता है कि यदि इसकी अनुमति दी गई तो कई सफेदपोश कांग्रेस नेताओं की संलिप्तता सामने आ जाएगी। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा को इस साल अप्रैल में राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह ने 2022 में ग्रेड दो शिक्षक परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था।

मिड डे मील की प्रभावी मॉनिटरिंग में बच्चों की माताओं की हो भागीदारी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि मिड डे मील में बच्चों की माताओं की भागीदारी से कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन तथा मॉनिटरिंग की जानी चाहिये। इसके लिए हर स्कूल में प्रतिदिन कम से कम 5 विद्यार्थियों की माताओं को विद्यालय में प्रार्थना के समय तथा मध्यान्तर में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाना चाहिये। श्रीमती शर्मा सोमवार को शासन सचिवालय में प्रदेश में मिड डे मील कार्यक्रम तथा मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि मिड डे मील कार्यक्रम में प्रदेश पूरे देश में अव्वल हो। उन्होंने विद्यालयों में मिड डे मील की सुचारू व्यवस्था के लिए किये जा रहे कार्यों तथा नवाचारों के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की माताओं के माध्यम से उनके बच्चों को दूध एवं भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिये, इससे कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सकेगी तथा अभिभावकों में भी संतुष्टि का भाव पैदा होगा। उन्होंने प्रदेश में प्रत्येक शिक्षण संस्थान में न्यूट्रिशन गार्डन विकसित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गार्डन का रख-रखाव भी विद्यार्थियों द्वारा ही किया जाए और इससे उगने वाले फल व सब्जियों का मिड डे मील में इस्तेमाल किया जाए।

श्रीमती शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय में पाउडर मिल्क व शुगर स्टोरेज, ईंधन, बर्तन आदि की सुचारू व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किया जाए। साथ ही विद्यालयों के मिड डे मील प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित करें।

बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने प्रदेश में मिड डे मील कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन तथा इसे और बेहतर बनाने के लिए विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जयपुर के होटल प्रबंध संस्थान में 'कुक कम हेल्पर' को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यह मास्टर ट्रेनर जिलों में अन्य कुक कम हैल्पर को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने बताया कि कुक कम हैल्पर के बेहतर प्रशिक्षण के लिए यूट्यूब पर वीडियो भी अपलोड किये गये हैं। इन वीडियो में खाना पकाने से लेकर खाना परोसने तथा साफ़ सफाई और स्टोरेज के सही तरीके को आसान तरीके से समझाया गया है। बैठक में सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, पंचायत शिक्षा प्रसार अधिकारी तथा मिड डे मील प्रभारियों सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारियों ने वीसी के माध्यम से भाग लिया।

अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई 28 तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली की एक अदालत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ दायर मानहानि मामले में सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने कहा, अनुरोध पर मामले की सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गयी है तथा सुनवाई की दिया गया है। सुनवाई की तिथि दोनों पक्षों की सुविधा के अनुसार दी गई है।

गहलोत के वकील ने कहा कि सत्र न्यायालय ने अंतरिम आदेश 16 सितंबर तक बढ़ा दिया है। वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के वकील ने उनकी इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि इस मामले में सत्र न्यायालय द्वारा कोई रोक नहीं है।

शेखावत ने नयी दिल्ली में राउज एवेन्यू की जिला अदालत में गहलोत के खिलाफ मानहानि याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि गहलोत ने उन्हें बदनाम किया है और उन पर 900 करोड़ रुपये के संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया है। उन्होंने दलील दी कि जब राजस्थान सरकार ने मामले की जांच की तो उनका नाम कहीं भी सामने नहीं आया।

मिश्र ने सावन के सोमवार पर किया शिव मंदिर में रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को यहां राजराजेश्वर मंदिर में भगवान श्रीशिव का विशेष रुद्राभिषेक किया। मिश्र ने राजभवन में स्थित इस मंदिर में राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र सहित परिजनों के साथ महादेव की विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है और सावन का पूरा महीना ही भगवान महादेव की आराधना के लिए समर्पित है। उन्होंने इस मौके देश और प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए भगवान से कामना की।

पूजा

जयपुर में सोमवार को आराध्य देव श्री गोविन्द देव जी मंदिर में दर्शन-पूजन कर समस्त प्रदेश वासियों के कल्याण हेतु प्रार्थना करती भाजपा सांसद दिया कुमारी।

शिक्षा की अलख जगाते मां-बाड़ी केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में जनजातीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों के गरीब, मजदूर और कृषक परिवारों के बालक-बालिकाओं की शिक्षा एवं स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने की दिशा में माँ-बाड़ी केन्द्र वरदान साबित हो रहे हैं। इन केंद्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों के माता-पिता इनकी शिक्षा की चिंता से मुक्त होकर अपनी आजीविका कमा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से शुरू की गई 'स्वच्छता ,जल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य स्थानीय परियोजना' के अंतर्गत माँ-बाड़ी केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। जनजातीय इलाकों में पहले स्थानीय बालक-बालिकाओं को शिक्षा के लिए दूर-दराज स्थित स्कूलों में जाना पड़ता था। अब माँ-बाड़ी केन्द्र ने इन बच्चों को प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा देने का ज़िम्मा गाँव में ही सँभाल लिया है।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की मंशा है कि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र में कोई भी बालक-बालिका शिक्षा से वंचित ना रहे। इस मंशा को साकार रूप दे रहे हैं, प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में संचालित मां -बाड़ी केन्द्र। वर्तमान में प्रदेश में कुल 2 हजार 838 माँ -बाड़ी केन्द्र संचालित हैं और इन केंद्रों पर 82 हजार से अधिक बालक-बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मां बाड़ी केन्द्रों में नर्सरी से कक्षा चार तक के बच्चों को पढ़ने की सुविधा के साथ साथ पोषण देने के लिए भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है। मां-बाड़ी केंद्र विशेष रूप से ऐसे स्थानों पर संचालित किये जा रहे हैं, जहां प्राथमिक स्कूल काफी दूरी पर स्थित है या स्कूल जाने के लिए छोटे बच्चों को 2 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करना पड़ता है।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री आलोक गुप्ता ने बताया कि मां बाड़ी केंद्रों का मुख्य उद्देश्य जनजातीय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान कराना है। जनजातीय इलाक़ों में अधिकतर आबादी के पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने के कारण छोटे बच्चों को अक्सर शिक्षा प्राप्त करने के लिए घर से दूर जाना पड़ता था। मां बाड़ी केन्द्रों की मदद से अब इन बच्चों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधित सभी सुविधाएं उनके घर के आस-पास उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक केंद्र पर 30 बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए नामांकन किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक केन्द्र पर एक अथवा दो शिक्षाकर्मी और दो महिला सहयोगी कार्यरत हैं।

नींबू तोड़ने को लेकर हुआ विवाद, ससुर ने बहू पर कुल्हाड़ी से किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर में रविवार शाम खेत से नींबू तोड़ने गई महिला पर उसके ससुर ने कुल्हाड़ी से सिर पर हमला कर दिया। ससुर द्वारा मारी गई कुल्हाड़ी से महिला के सिर में गंभीर चोटें आई। इसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धौलपुर के सैपऊं थाना क्षेत्र के घड़ी चटोला गांव की रहने वाली घायल महिला सीमा (35 साल) पत्नी बृजेश ने बताया कि उसका पति हैदराबाद रहकर मजदूरी करता है। पति की मजदूरी करने के चलते हुए अपने बच्चों को लेकर गांव में ही रहकर पालन पोषण कर रही है। रविवार शाम को वह खेत में लगे नींबू के पेड़ से नींबू तोड़कर ला रही थी। इसी दौरान खेत में मौजूद महिला का ससुर विशाल उससे नींबू तोड़ने की बात को लेकर नाराज हो गया। इसके बाद ससुर ने महिला से मारपीट करते हुए उसके सिर में कुल्हाड़ी दे मारी। कुल्हाड़ी लगने से घायल हुई महिला को खेत पर ही छोड़कर आरोपी ससुर भाग गया। सिर में गंभीर चोट आने से घायल महिला ने अपने पीहर में फोन लगाकर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे महिला के पीहर पक्ष के लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

घटना को लेकर सैपऊं थाना प्रभारी हरभान सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर ससुर के खिलाफ परिवाद मिला है। जिसको लेकर फरार ससुर की तलाश की जा रही है।

आठ जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए राजस्थान के आठ ज़िलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी जयपुर में सुबह से बादल छाए हैं। बादलों और सूरज की आंख-मिचौली जारी है। मानसून के इतिहास में अगस्त महीने में इस बार सबसे कम बारिश रिकॉर्ड होने के आसार हैं। यह चिंता की बात है। अब तक सामान्य से 40 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

मौसम विभाग ने आज आठ ज़िलों के लिए अलर्ट जारी किया है। इनमें झालावाड़, राजसमंद, पाली, जोधपुर, बीकानेर, जालौर, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में बादलों की गरज और आकाशीय बिजली की चमक के साथ हल्की से माध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के पूर्वी राजस्थान रीजन के फतेहपुर सीकर में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस और पश्चिम में राजस्थान रीजन के चूरू में अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। जयपुर में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

शहर में 72 दिनों में होंगे नवकार महामंत्र के 11 करोड़ जाप

जेवाईएस के तत्वावधान में विभिन्न 46 चातुर्मास स्थलों पर होंगे जाप

31 अगस्त से 10 नवम्बर तक चलेगा यह अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन के तत्वावधान में शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों की निश्रा में आत्मशुद्धि, विश्वशांति व सर्व कल्याण के लिए नवकार महामंत्र का 11 करोड़ का जाप 'नवकार मंत्र करे भव' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह अनुष्ठान 31 अगस्त राखी त्योहार से प्रारंभ होगा तथा 10 नवंबर को धनतेरस पर सम्पन्न होगा। संगठन के अध्यक्ष जैन महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों की विभिन्न टीमों ने शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन कर इस आयोजन की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में नवकार मंत्र जाप करने व करवाने का निवेदन किया।

मंत्री मदन मुणोत ने बताया कि इस वर्ष एक अधिक मास होने से चातुर्मास काल 5 महीनो का है, और ज्यादा से ज्यादा धर्म लाभ प्राप्त हो इसके लिए इस वर्ष सम्पूर्ण बेंगलूरु में 11 करोड़ , नवकार महामंत्र का जाप करवाया जा रहा है। संगठन के सदस्यों ने वीवी पुरम के संभवनाथ जैन मंदिर में विराजित आचार्यश्री अभयशेखरविजयजी, अक्कीपेट वासुपुज्यस्वामीजैन मंदिर में विराजित आचार्यश्री महासेनसूरीश्वरजी, यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर, यलहंका में विराजित आचार्य श्री चंद्रेशसूरीश्वरजी, पार्श्व सुशील धाम,में विराजित आचार्यश्री अमरसेनसूरीजी व अजीतसेनसूरीजी, पुष्पाजंलि के शीतलनाथ मंदिर में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी, कुन्दनहल्ली स्थित ज्ञानोदय जैन मंदिर में विराजित श्री कुंथुसागरजी से, मल्लेश्वरम स्थानक भवन में

विराजित साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी, विमलनाथ मंदिर, बसवनगुड़ी में विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी, मुनिसुव्रत मंदिर, कुमारापार्क में विराजित श्री तीर्थवल्लभविजयजी, गांधीनगर सभा भवन में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी, हलसुर जैन स्थानक भवन में साध्वी श्री चंद्रयशाश्रीजी, गणेशबाग स्थानक भवन में विराजित साध्वीश्री विजयलताश्रीजी, राजेन्द्रसूरीश्वर जैन भवन किल्लारी रोड में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी, त्यागराजनगर स्थानक भवन में साध्वीश्री दिव्यदेशनाश्रीजी, श्रीरामपुरम स्थानक भवन में साध्वी श्री स्वर्णप्रभाश्रीजी आदि के दर्शन कर उन्होंने नवकार जाप अभियान की जानकारी दी।

समन्वय समिति के चेयरमैन दिलीप संचेती ने बताया कि इस अनुष्ठान में प्रति परिवार अपनी अपनी मान्यता अनुसार प्रतिदिन 3 माला का जाप करेंगे, जिसमे संपूर्ण बेंगलूरु से 4716 परिवार जुड़ सकेंगे। उपाध्यक्ष महावीर मुणोत ने बताया कि यह अनुष्ठान 72 दिनों तक चलेगा।

सहमंत्री विशाल गुगलिया ने बताया कि इस अनुष्ठान में सभी साधु साध्वियों का सान्निध्य मिलेगा। कोषाध्यक्ष मुकेश सुराणा ने कहा कि इस आयोजन में विभिन्न संघों का भी सहयोग मिलेगा। समन्वय समिति के सदस्य विपुल पोरवाल ने बताया कि विभिन्न संघों के दो दो सदस्य भी सक्रिय रुप से इस आयोजन में जुड़ रहे है जो कि कूपन कार्ड वितरण का कार्य संभालेंगे। प्रवीण ललवानी ने बताया कि 27 अगस्त को पूरे बेंगलूरु के चातुर्मास स्थलों पर रजिस्ट्रेशन काउंटर लगाया जाएगा। पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिवेसरा, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल ने कहा कि विभिन्न साधु साध्वियों ने इस अभियान को सराहा है और आशीर्वाद दिया है। अभियान की सफलता के लिए विभिन्न संघों के पदाधिकारियों व संगठन के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए है।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 4-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डसेलडोर्फ/भाषा। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को यहां चार देशों के टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ 4-0 की आसान जीत दर्ज की। भारत की ओर से राजिंदर सिंह (13वें मिनट), आमिर अली (33वें मिनट), अमनदीप लाकड़ा (41वें मिनट) और अरिजीत सिंह हुंदल (58वें मिनट) ने गोल दागे। भारत ने मैच में सतर्क शुरुआत की। राजिंदर ने 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलाई। एक गोल से पिछड़ने के बाद इंग्लैंड ने दूसरे क्वार्टर में कई हमले किए लेकिन टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिली।

मध्यांतर तक भारतीय टीम 1-0 से आगे थी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही आमिर अली ने मैदानी गोल दागकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया और इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया।

दो गोल की बढ़त बनाने के बाद भारत ने हमले तेज किए। अमनदीप ने तीसरे क्वार्टर के अंतिम लम्हों में पेनल्टी कॉर्नर पर एक और गोल दागकर टीम को 3-0 से आगे किया। इंग्लैंड ने अंतिम क्वार्टर में कई हमले किए लेकिन भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे।

अरिजीत ने मैच खत्म होने से दो मिनट पहले एक और गोल दागकर भारत की 4-0 से जीत सुनिश्चित की।

मणिपुर विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुलाया जाना संवैधानिक तंत्र के ध्वस्त होने का प्रमाणः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि मणिपुर की सरकार द्वारा राज्यपाल अनुसुइया उइके से आग्रह किए जाने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुलाया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में संवैधानिक तंत्र ध्वस्त हो गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'स्वयंभू विश्वगुरु की भूमिका' में और गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। उन्होंने 'एक्स (पूर्व में ट्वीटर)' पर पोस्ट किया, 27 जुलाई को मणिपुर की सरकार ने प्रदेश के राज्यपाल से अगस्त के तीसरे सप्ताह में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था। चार अगस्त को राज्यपाल से एक बार फिर विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया है, लेकिन इस बार एक निश्चित तिथि यानी 21 अगस्त को सत्र बुलाने के लिए कहा गया। आज 21 अगस्त है और विशेष सत्र नहीं

बुलाया गया है। विधानसभा का कोई मानसून सत्र भी नहीं हुआ है।

रमेश ने आरोप लगाया कि यह इस बात का एक और सबूत है कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री अपनी स्वयंभू विश्वगुरु की भूमिका को पुनर्जीवित करने में व्यस्त हैं और गृह मंत्री चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। मणिपुर के लोगों की पीड़ा लगातार जारी है।

मणिपुर में मंत्रिमंडल के राज्यपाल अनुसुइया उइके से 21 अगस्त से विधानसभा सत्र बुलाने की सिफारिश करने के बावजूद सोमवार को सदन की बैठक नहीं हुई, क्योंकि राज भवन की तरफ से इस संबंध में अभी तक 'कोई अधिसूचना' जारी नहीं किए जाने के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुलाकात

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बीएपीएस के स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने संस्था के परम पूज्य महंत स्वामी महाराज द्वारा प्रधान मंत्री को भेजे विशेष आशीर्वाद के बारे में बताया, साथ ही अमरीका के रोबिन्सविल स्थित स्वामीनारायण अक्षरधाम में चल रहे मित्रता, रचनात्मकता और आध्यात्मिकता के ''प्रेरणा के महोत्सव' के बारे में प्रधान मंत्री को जानकारी दी । सात ही अगले वर्ष फरवरी में अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन के लिए आगामी 'सद्भाव के महोत्सव' के अपडेट साझा किए। बीएपीएस संतों और स्वयंसेवकों द्वारा वैश्विक भलाई के लिए किए गए सार्वभौमिक सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यों पर भी प्रधान मंत्री का ध्यान आकर्षित किया ।

भगवान बुद्ध का रास्ता अपनाने से भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत को विकसित देश बनाने के लिए भगवान बुद्ध का रास्ता अपनाने की सलाह दी है।

आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत लखनऊ में आयोजित सपा के 'महासम्मेलन' में यादव का खास जोर कुशवाहा, मौर्य, सैनी और शाक्य समुदाय को अपने साथ जोड़ने पर रहा। उन्होंने कहा, अभी कुछ दिन पहले मैं प्रधानमंत्री जी का भाषण सुन रहा था। वह लाल किले से संकल्प ले रहे थे कि हमारा भारत देश विकसित देश बन जाए।

दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ जाए। आज मैं यहां कुशवाहा, मौर्य, सैनी और शाक्य लोगों से कहता हूं कि जो लाल किले से विकसित देश बनाने की बात और संकल्प दोहरा रहे थे वे केवल भगवान बुद्ध का रास्ता अपना लें तो भारत अपने आप विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा दिखाई देगा।

आगामी लोकसभा चुनाव में जीत के लिए पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) के फार्मूले पर भरोसा जताते हुए यादव ने कहा, मैं यहां जिन लोगों को देख रहा हूं वे तथागत भगवान बुद्ध को मानने वाले लोग हैं। मेरे सामने मंच पर और आसपास दिखाई दे रहे लोग चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य, चक्रवर्ती सम्राट अशोक के वंशज हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, जहां आज हमारा देश विकसित होना चाहिए वहीं हमें यह भी सोचना पड़ेगा कि समाज की वह कौन सी ताकतें हैं जो बाबा साहब के दिए संविधान को हमसे छीनना चाहती हैं। उन्होंने कहा, हम लोगों को भाजपा की साजिश से सावधान रहना होगा क्योंकि वह किसी भी सीमा तक जा सकती है। यादव ने कहा कि बहुजन समाज को समय-समय पर धोखे मिले हैं और अब यह समाज अपने अधिकारों को समझने लगा है।

बहुविवाह को समाप्त करने के लिए कानूनः असम सरकार ने जनता की राय मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में बहुविवाह को समाप्त करने के लिए प्रस्तावित कानून पर जनता की राय मांगी है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक सरकारी सार्वजनिक नोटिस साझा करते हुए लोगों से असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए प्रस्तावित कानून पर अपने सुझाव भेजने की अपील की।

गृह एवं राजनीतिक विभाग के प्रधान सचिव द्वारा प्रकाशित नोटिस में लोगों से 30 अगस्त तक ईमेल या डाक के माध्यम से अपनी राय भेजने का अनुरोध किया गया है। इसमें उल्लेख किया गया है कि असम सरकार ने बहुविवाह पर

प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने के वास्ते विधानसभा की विधाई क्षमता का अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था और रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य विधानसभा बहुविवाह की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने के लिए सक्षम है।

रिपोर्ट के सारांश को साझा करते हुए, सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि विवाह समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है, जिससे केंद्र और राज्य दोनों इस पर कानून बना सकते हैं। इसमें कहा गया है, प्रतिकूलता का सिद्धांत (डॉक्टरीन आफ रिपगनैंसी) (अनुच्छेद 254) यह निर्धारित करता है कि यदि कोई राज्य कानून केंद्रीय कानून के विरोधाभासी है, तो राज्य का कानून रद्द हो जाएगा, यदि उसे भारत के राष्ट्रपति की पूर्व मंजूरी हासिल नहीं है। रिपोर्ट का हवाला देते हुए, नोटिस में उल्लेख किया गया है कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत अंत:करण की स्वतंत्रता और धर्म का अनुपालन करने का अधिकार पूर्ण नहीं है और सामाजिक कल्याण और सुधार के लिए सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य और विधाई प्रावधानों के अधीन है।

इसमें कहा गया है कि अदालतों ने स्पष्ट किया है कि संरक्षण प्राप्त करने के लिए धार्मिक प्रथाएं आवश्यक और धर्म का अभिन्न अंग होनी चाहिए।

प्रभु श्रीराम भव्य मंदिर में विराजेंगे तो कल्याण सिंह की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रभु श्रीराम जब अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, तब कल्याण सिंह जी की आत्मा हम सभी को आशीर्वाद देगी।

मुख्यमंत्री योगी ने यहां प्रदर्शनी मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता कल्याण सिंह की दूसरी पुण्यतिथि पर आयोजित 'हिंदू गौरव दिवस' समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, श्रद्धेय कल्याण सिंह जी ने अपनी राजगद्दी प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दी थी। आदित्यनाथ ने कहा, राम मंदिर के लिए 1990 से लेकर 1992 और उसके बाद तक चले अभियान का परिणाम है कि आज प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनवरी 2024 में पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त करके जब भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होकर हमें आशीर्वाद दे रहे होंगे तो श्रद्धेय बाबूजी की आत्मा को असीम संतुष्टि मिलेगी। उनकी (कल्याण सिंह) आत्मा हमें आशीर्वाद देगी कि जिस सपने के लिए उन्होंने राजसत्ता को छोड़ा था, आज वो साकार हो गया।

योगी ने कहा कि कल्याण सिंह को जब भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर विचार व्यक्त करने का अवसर मिला तो उन्होंने हर बार इस बात को स्पष्टता के साथ कहा कि पेट को आहार, मन को प्यार, मस्तिष्क को विचार और आत्मा को संस्कार का समुच्चय ही एकात्म मानववाद है। इसी के अनुसार कल्याण सिंह जी ने अपना जीवन जिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धेय बाबूजी की आज दूसरी पुण्यतिथि को हम हिन्दू गौरव दिवस के रूप में मनाकर उन्हें स्मरण कर रहे हैं। आज विश्व उद्यमिता दिवस और नागपंचमी का पवित्र पर्व भी है, इसलिए यह दिन अद्भुत है।

पूजा

हैदराबाद में सोमवार को नाग पंचमी उत्सव के अवसर पर भक्त नाग देवता को दूध और फूल चढ़ाते हुए।

हम बल्लेबाज को रातों-रात किसी भी स्थान पर खेलने के लिए नहीं बोलतेः रोहित

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चाहते हैं कि मध्यक्रम के उनके बल्लेबाज लचीलापन दिखाएं क्योंकि राष्ट्रीय टीम में किसी भी बल्लेबाज का किसी निश्चित स्थान पर खेलना तय नहीं है।

भारतीय कप्तान ने साथ ही कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी, चाहे उसे खेलने का मौका मिले या चूक जाए, उससे उसकी भूमिका और अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर वह कहां ठहरता है इसको लेकर स्पष्ट संवाद किया जाता है।

एशिया कप के पहले मैच में लोकेश राहुल के नहीं खेल पाने की स्थिति में इशान किशन के क्रम के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने कहा, अजित अगरकर तस्वीर में नए हैं और उन्हें नहीं पता कि इससे पहले क्या हो रहा था। मैं जहां तक संभव हो उन्हें अपडेट रखने का प्रयास किया है।

कप्तान ने कहा, मैं इस टीम में जो एक चीज चाहता हूं वह यह है कि प्रत्येक खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए तैयार रहे। क्रिकेट अलग दिशा में जा रहा है। आप किसी भी स्थान पर खेल सकते हैं, कोई यह नहीं कह सकता कि मैं इस स्थान पर अच्छा हूं। प्रत्येक खिलाड़ी को यह संदेश दिया गया है, अब नहीं बल्कि पिछले दो, तीन या चार साल से ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि बाहरी लोगों के लिए यह समझना मुश्किल है कि छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे खिलाड़ी को अचानक चौथे नंबर पर क्यों खिलाया जाता है। यह रातों रात नहीं होता। उसे इस भूमिका के लिए तैयार किया गया है। हम अंतरराष्ट्रीय खेल की बात कर रहे हैं। यह क्लब क्रिकेट नहीं है।

भारत के पास चौथे नंबर पर कोई स्थापित बल्लेबाज क्यों नहीं है यह पूछे जाने पर रोहित थोड़े चिढ़े हुए नजर आए। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। यह चौथे नंबर के बारे में नहीं है। यह शीर्ष तीन और फिर उसके बाद चार, पांच, छह, सात और फिर अन्य बल्लेबाजों की बात है जो हमारे लिए मैच जीत सकते हैं। चुनौतियां है और खिलाड़ियों को दबाव में डाला जा रहा है और यह अच्छी चीज है।

बल्लेबाजी क्रम के किसी एक स्थान से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता : गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को कहा कि भारत के पास अपनी वनडे टीम में चौथे स्थान के बल्लेबाज लिए बहुत सारे विकल्प हैं और सिर्फ एक स्थान पर ध्यान देकर विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट नहीं जीते जा सकते। गांगुली ने कहा कि टीम प्रबंधन को एक खिलाड़ी को तय कर उसे चौथे स्थान पर लंबे समय तक मौका देना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष गांगुली ने कहा, भारत में अपार प्रतिभा है। मैं इस तरह की शिकायतें सुनता रहता हूं कि हमारे पास यह नहीं है, वह नहीं है, लेकिन हमारे पास बहुत कुछ है और समस्या यह है कि हम निर्णय नहीं ले पा रहे हैं।

उन्होंने कहा, बल्लेबाजी में चौथे क्रम को लेकर राहुल (द्रविड़), चयनकर्ताओं और रोहित (शर्मा) को किसी एक खिलाड़ी को तय कर उसे लगातार मैचों में मौका देना चाहिए।

गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, चौथा क्रम सिर्फ एक नंबर है और इसमें कोई भी फिट हो सकता है। मैंने एक दिवसीय क्रिकेट में मध्य क्रम में शुरुआत की और फिर पारी का आगाज करने लगा क्योंकि मुझे तत्कालीन कप्तान

सचिन (तेंदुलकर) ने ऐसा कहा था। सचिन के साथ भी ऐसा ही हुआ था।

गांगुली ने कहा, तेंदुलकर ने करियर की शुरुआत में छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। जब उनके कप्तान ने उन्हें पारी का आगाज करने के लिए कहा तो वह एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी बन गए। नंबर चार पर कोई भी खेल सकता है। वहां विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज के हालिया दौरे पर टी 20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में प्रभावित करने वाले प्रतिभाशाली वामहस्त बल्लेबाज तिलक वर्मा को सोमवार को एशिया कप 2023 के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया। उन्होंने पहली बार वनडे टीम में जगह बनाई है। गांगुली ने उम्मीद जताई कि यह युवा बल्लेबाज बड़ा स्कोर बनाकर मौके का फायदा उठाएगा।

सुविचार

किसी ने क्या खूब कहा हैं, अकड़ तो सब में होती हैं, झुकता वही हैं, जिसे रिश्तों की फ़िक्र होती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भ्रष्टाचार पर सख्ती जरूरी

राजग सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक यानी कैग की रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं व कमियों का उजागर होना गंभीर मसला है। इससे जहां देश के करोड़ों लोगों के इलाज के लिये लायी गयी योजना की सार्थकता पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के दावे पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। ऐसे में इस स्वास्थ्य योजना में धांधली करने वालों के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई वक्त की जरूरत है। वर्ष 2018 में जोर-शोर से लाई गई इस महत्वाकांक्षी जन स्वास्थ्य योजना को व्यापक पैमाने पर जनहित में बताया गया था। जिसका मकसद था कि देश के गरीब व कमजोर वर्गों को महंगे इलाज के खर्च से बचाने के लिये उनका चिकित्सा व्यय कम किया जाएगा। पिछले सप्ताह संसद में पेश की गई नियंत्रक और महालेखा परीक्षक यानी कैग की रिपोर्ट में बताया गया कि ऐसे करीब साढ़े तीन हजार कथित मरीजों के इलाज पर लगभग सात करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिन्हें योजना के डेटा बेस में पहले मृत दिखाया गया था। यह तथ्य भी कम चौंकाने वाला नहीं है कि योजना के तहत साढ़े सात लाख लाभार्थियों को एक ही मोबाइल नंबर से जोड़ा गया था। वहीं एक हजार दो सौ से अधिक लाभार्थियों को एक ही फर्जी आधार नंबर से जोड़ा गया। जाहिर है कई स्तर पर सुनियोजित तरीके से धांधली को अंजाम दिया गया। निश्चित तौर पर इस योजना के त्रुटिरहित क्रियान्वयन व निगरानी की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं को दी गई थी, उन्होंने सजग व सतर्क होकर अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं किया। अन्यथा धांधली का स्तर इतना व्यापक नहीं हो सकता था। संसद में कैग की रिपोर्ट का खुलासा होने के बाद सरकार ने लोकसभा को सूचित किया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण यानी एनएचए द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने तथा संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के कारण देश के 210 अस्पतालों को योजना के पैनल से हटा दिया गया। साथ ही 188 अन्य अस्पतालों के लाइसेंस निलंबित कर दिये गये।

निस्संदेह, जनविश्वास की प्रतीक इस जन स्वास्थ्य योजना में बड़ी धांधली की व्यापक पैमाने पर जांच की जानी चाहिए। जाहिरा तौर पर कई स्तरों पर लापरवाही और दायित्वों के निर्वहन में चूक के चलते शातिर लोग इस योजना में धांधली करने में सफल हुए। जिसकी निगरानी में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणों की भी बड़ी भूमिका होती। वैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण यानी एनएचए को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत धोखाधड़ी और दुरुपयोग का पता लगाने व रोकथाम का दायित्व सौंपा गया था। लेकिन भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की जांच रिपोर्ट के खुलासे के बाद स्पष्ट हो गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण अपने दायित्वों के फुलप्रूफ निर्वहन में विफल रहा है। निस्संदेह, दूसरी ओर कैग की ऑडिट रिपोर्ट भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को भी असहज करने वाली है, जिसने बार-बार भ्रष्टाचार को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी थी। दुर्भाग्यपूर्ण है समाज में जीवन मूल्यों का किस हद तक पतन हो चला है कि देश के कमजोर व गरीब वर्ग के लिये लाई गई प्रमुख कल्याण योजना को पलीता लगाने से गुरेज नहीं किया जा रहा। ये अपराधी तत्व अपने इन कृत्यों से गरीब कल्याण के लिये लाई गई ऐसी योजना को कमजोर ही बना रहे हैं, जो देश के 55 करोड़ लोगों को सेहत का सुरक्षा कवच प्रदान करती है। निस्संदेह, इस घोटाले को अंजाम देने के लिये व्यापक पैमाने पर सांठगांठ की गई होगी। ऐसे में अस्पताल के कर्मचारियों, बिचौलियों और सरकारी अधिकारियों के बीच सांठगांठ का पता लगाने के लिये गहन स्तर की जांच कराया जाना वक्त की सख्त जरूरत है। साथ ही इस योजना से जुड़ी तमाम खामियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाना चाहिए। अन्यथा भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्र सरकार की लड़ाई की सार्थकता पर सवाल उठेंगे। खासकर लोकसभा चुनाव से पूर्व के राजनीतिक परिवेश में इससे सरकार की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

ट्वीटर टॉक

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की सभी बड़े-बुजुर्गों को हार्दिक शुभकामनाएं। वरिष्ठ नागरिकों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान होता है और उनके अनुभव और आदर्श हमें जीवन में सही राह पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण के लिए जरूरी है कि डिजिटल माध्यम से विधान मंडलों में जनता की भागीदारी बढ़े। गांव-ढाणी के लोग जब सदन में उठे मुद्दों व प्रश्नों, वहां हुई चर्चाओं तथा जनप्रतिनिधियों के कार्यों के बारे में जानेंगे तो वे स्वयं से जुड़े विषयों पर अधिक जागरूक होंगे।

-ओम बिरला

अलवर में खाटूश्याम जा रही पदयात्रा की बस पर हमले की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। शांतिप्रिय राजस्थान में उपद्रवियों को कानून व्यवस्था का कोई भय नहीं है। कांग्रेस सरकार के संरक्षण में जानबूझकर प्रदेश में अराजकता का वातावरण पैदा किया जा रहा है।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

दिलों के राजा

बंगाल में एक छोटे से गुष्करा स्टेशन पर उतरने वाले झटपट उतरने और चढ़ने वाले दौड़कर रेलगाड़ी में चढ़ने लगे। एक बुढ़िया भी गाड़ी से उतरी। किन्तु बहुत चेष्टा करके भी वह अपनी गठरी उतार नहीं पायी। कई लोग उसकी पोटली को लांघते हुए डिब्बे से उतरे और चढ़े भी। अचानक ही गाड़ी ने चलने के लिए सीटी बजा दी। बुढ़िया ने देखा कि गाड़ी छूट रही है और उसकी पोटली नहीं उतर पायी।

एकाएक प्रथम श्रेणी के डिब्बे में बैठे एक सज्जन ने गाड़ी की चेन खींची और डिब्बे से शीघ्रता से उतरकर वृद्धा की पोटली उठाकर उसके सिर पर रख दी। तभी उसे पुलिस सुरक्षा बल ने चेन खींचने के जुर्म में पकड़ लिया। उसने इस अपराध के लिए जुर्माना अदा कर दिया और फिर गाड़ी चल दी। बुढ़िया चलती गाड़ी को देखकर बार-बार उस सज्जन पुरुष को आशीर्वाद दे रही थी। वे थे कासिम बाजार के राजा मणीन्द्र चन्द्र नन्छी, जो उस गाड़ी से कलकत्ता जा रहे थे। वे जनता की नजरों में तो राजा थे ही, लेकिन सचमुच भी राजा ही थे।

सामयिक

न्यूजक्लिक का सच क्या हो सकता है?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

देश के 750 नामचीन लोगों ने न्यूजक्लिक के पक्ष में बयान जारी कर कहा है कि उसका उत्पीड़न हो रहा है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। उनके अनुसार न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में न्यूजक्लिक के विरुद्ध किसी कानून का उल्लंघन करने की बात नहीं कही गई है। इस बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, इतिहासकार रोमिला थापर, जोया हसन, जयती घोष, हर्ष मंदर, अरुणा राय, एन राम, कॉलिन गोंजाल्विस, प्रशांत भूषण ,आनंद पटवर्धन आदि शामिल हैं। एक लोकतांत्रिक खुले समाज एवं व्यवस्था में सरकार के समर्थक विरोधी, मध्यमार्गी, निष्पक्ष, सापेक्ष सभी प्रकार की अभिव्यक्ति के मंचों के लिए जगह होनी चाहिए। इसलिए न्यूजक्लिक अगर संगठन के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा और नरेंद्र मोदी सहित भाजपा सरकारों के विरोध को अपना एजेंडा बनाता है तो यह उसका अधिकार है। पर उसका वैचारिक विरोध होगा और होना भी चाहिए। अगर वह एजेंडा चलता है तो उसके विरुद्ध भी मान्य कानूनी तरीकों में एजेंडा चल सकता है। किंतु इसके आधार पर भारत सरकार की या किसी प्रदेश सरकार की एजेंसियां उसके विरुद्ध कार्रवाई करे यह स्वीकार नहीं हो सकता। क्या न्यूजक्लिक कि विरोध वाकई उसके राजनीतिक एवं वैचारिक एजेंडे के कारण है?

जिन लोगों ने न्यूजक्लिक के समर्थन में हस्ताक्षर किए हैं उनकी समाज में प्रतिष्ठा है। इसके साथ यह भी सच है कि इनमें से ज्यादातर का अपना वैचारिक और राजनीतिक एजेंडा एकपक्षीय राष्ट्रीय संघ, भाजपा और हिंदुत्व से घृणावाद और विरोधवाद फैलाना है। विरोध इनका अधिकार है, पर ये दुराग्रहों की सीमा पार कर उस स्तर पर चले जाते हैं कि आम व्यक्ति भी इनकी सोच और व्यवहार पर संदेह व्यक्त करने लगता है। इन्होंने इतना सच कहा है कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खोजपूर्ण रिपोर्ट में न्यूजक्लिक द्वारा भारत में कानून के उल्लंघन की बात नहीं लिखा है। इन्होंने यह तथ्य नहीं लिखा कि न्यूयॉर्क टाइम्स की छानबीन न्यूजक्लिक पर न होकर इसके फाइनेंसर नेविले राय सिंघम, अमेरिका सहित विश्व भर में फैले मीडिया एवं गैर सरकारी संगठनों आदि के माध्यम से फैला उनका विस्तृत जाल तथा चीन के साथ उनके संबंध हैं। इन्हीं की चर्चा करते हुए न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत में न्यूजक्लिक का उल्लेख किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स छानबीन की रिपोर्ट से साफ है कि सिंघम चीनी एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए कई हजार करोड़ की फंडिंग कर रहे हैं और उसमें न्यूजक्लिक भी शामिल है तो फिर इसे पाक साफ कैसे कहा जा सकता है?

न्यूजक्लिक के मामले के दो पहलू है- वित्त पोषण के साथ चीनी एजेंडे का जुड़ाव और दूसरा इसमें भारतीय कानूनों का उल्लंघन। न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड को 2018 से करीब 38 करोड रुपया सिंघम प्राप्त हुआ है। इसको जस्टिस एंड एजुकेशन फंड इंक, यूएस; जीएसपीएएन एलएलसी, यूएस; ट्राईकॉन्टिनेंटल लिमिटेड इंक, यूएसए के अलावा सेंट्रो पॉपुलर डेमिडास, ब्राजील से फंड मिला। न्यूयॉर्क टाइम्स लिखता है कि

ब्राजील में ब्राजील डिफेक्टो अखबार चलाने वाले समूहों को भी सिंघम से धन मिला है। न्यूयॉर्क टाइम्स बता रहा है कि यह अखबार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रशंसा में लिखता है। इसने स्पष्ट लिखा है कि नई दिल्ली में कॉरपोरेट्स फाइलिंग से पता लगा है कि सिंघम के नेटवर्क न्यूज़ साइट न्यूज़क्लिक को फाइनेंस किया है।

अमेरिकी अरबपति सिंघम की विश्व भर में चीन का बचाव करने और उसका प्रोपेगेंडा आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका है और उनके पास भरपूर धन है। यह कैसे काम करता है इसका एक उदाहरण देखिए। कोल्ड वॉर ग्रुप के बारे में माना जाता था कि यह अमेरिका और ब्रिटिश एक्टिविस्टों का बिगड़ा हुआ समूह है। इसके अनेक प्रदर्शन होते थे। पिछले दिनों नवंबर 2021 में एशियाइयों के खिलाफ घृणा अपराध के विरोध प्रदर्शन में लंदन के चायना टाइम में कई सक्रिय समूहों में यह भी था। उसमें प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई तो लोगों को आश्चर्य हुआ। विरोध जताने वाले अधिकतर लोग चीनी थे । झगड़ा उस समय हुआ जब कोल्ड वॉर ग्रुप के लोगों ने हांगकांग में लोकतंत्र आंदोलन का समर्थन करने वाले एक्टिविस्टों पर हमला कर दिया। लोगों को समझ में नहीं आया कि अमेरिकी ब्रिटिश एक्टिविस्टों के लोग हमला क्यों कर रहे हैं। बाद में पता चला कि यह चीन का बचाव करने और उसका प्रोपगंडा चलाने वाला समूह है। सोचिए, नाम कोल्ड वॉर ग्रुप और काम क्या है? रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी एंटीवर्ट समूह कोड पिंक में भी समय बीतने के साथ बदलाव आया है। कोड पिंक ने पहले मानवाधिकारों को लेकर चीन की आलोचना की थी लेकिन अब वह मुस्लिम उईगारो पर अत्याचारों का बचाव करता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स बताता है कि सिंघम के पास गैर-लाभकारी संगठन व सेल कंपनियों के इतने बड़े जाल है कि उनमें यह बात लगभग छुपी रही है कि वे चीन सरकार की मीडिया मशीन के साथ काम करते हैं। 69 वर्षीय सिंघम शिकागो में सॉफ्टवेयर कंसलटेंसी कंपनी थॉटवर्क्स चलाते हैं और शंघाई में बैठते हैं। वहां उनका नेटवर्क यूट्यूब पर एक शो आयोजित करता है। इसके लिए शंघाई का प्रोपोगंडा विभाग भी पैसा देता है। दो अन्य समूह दुनिया में चीन के पक्ष का प्रचार करने के लिए चीनी यूनिवर्सिटी के साथ काम कर रहे हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स की छानबीन के अनुसार सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंकटैंक, मैनहैटन की संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में न्यूज संगठन सहित कई समूह जुड़े हैं।

सिंघम ने बयान दिया कि वह चीन सरकार के निर्देश पर काम नहीं करते। सच यह है कि सिंघम के समूह चीन के पक्ष में अभियान के लिए यूट्यूब वीडियो बनाते हैं, राजनीति को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, ये समूह अमेरिकी कांग्रेस में सहायकों से मिलते हैं, अफ्रिका में राजनेताओं को प्रशिक्षण देते हैं, दक्षिण अफ्रीका के चुनाव में उम्मीदवार खड़ा करते हैं और लंदन जैसे विरोध प्रदर्शन आयोजित करते हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स का मूल लक्ष्य भारत था ही नहीं। न्यूयॉर्क टाइम्स मूलतः अमेरिकियों को बता रहा है कि हमारे यहां किस तरह से चीनी एजेंडा चलाने वाला एक व्यक्ति अलग-अलग समूहों और सेल कंपनियों के माध्यम से काम कर रहा है। अमेरिका में सिंघम से जुड़ा कोई समूह विदेशी एजेंट रजिस्ट्रेशन कानून के तहत निबंधित नहीं है। अमेरिका में दूसरे देशों की ओर से जनमत को प्रभावित करने के अभियान चलाने वाले समूहों का निबंधन आवश्यक है। जिन चार गैर-लाभकारी संगठनों की बदौलत सिंघम का अभियान चलता है उनके पते इलीनॉय, विस्कंसिन और न्यूयॉर्क में यूपीएस स्टोर मेल बॉक्स के रूप में दर्ज है। न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यूपीएस स्टोर गैर-लाभकारी समूह के रूप में यहां दर्ज है जिससे करोड़ों डॉलर दुनिया भर में भेजे गए हैं। कोई न कोई बहाना बनाकर इसने दक्षिण अफ्रीका के स्कूलों को लाखों डॉलर भेजे हैं। इसी में आगे वह कुछ राजनीतिक दलों एवं मीडिया संस्थानों को पैसा मिलने के बारे में लिखता है। उदाहरण के लिए ब्राजील में ब्राजील डिफेक्टो अखबार चलाने वाले समूहों को भी सिंघम से धन मिला है। न्यूयॉर्क टाइम्स बता रहा है कि यह अखबार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्रशंसा में लिखता है। इसने स्पष्ट लिखा है कि नई दिल्ली में कॉरपोरेट्स फाइलिंग से पता लगा है कि सिंघम के नेटवर्क न्यूज़ साइट न्यूज़क्लिक को फाइनेंस किया है। ये समूह तालमेल से काम करते हैं। उन्होंने एक-दूसरे के कंटेंट सोशल मीडिया पर सैकड़ों बार पोस्ट की है।

यह है न्यूयॉर्क टाइम्स की छानबीन। हस्ताक्षर करने वाले नामचीन लोगों ने निश्चय ही रिपोर्ट को पढ़ा होगा। क्या इसके बाद कोई मानेगा कि सिंघम से जुड़ा कोई मीडिया संस्थान निष्पक्ष होकर काम करेगा या भारतीय हितों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता करेगा? ईडी या प्रवर्तन निदेशालय की छानबीन से मोटा -मोटी जो जानकारी सामने आई उसके अनुसार न्यूज पोर्टल को आए धन में से 52 लाख बप्पादित्या सिन्हा को दिए गए। बप्पादित्या सिन्हा कम्युनिस्ट नेताओं के ट्विटर हैंडल भी संभालते हैं। धन का एक हिस्सा गौतम नवलखा के पास गया। निश्चित रूप से ये भुगतान उनके लेख या रिपोर्ट आदि के लिए ही गया होगा। विचार या एजेंडा फैलाने वालों को इसी तरह भुगतान किया जाता है जिनमें कानूनी रूप से कोई खांच न रहे। यह देखना प्रवर्तन निदेशालय का काम है कि जो धन आए उनमें कानून और भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों का पालन हुआ या नहीं? न्यूज क्लिक ने अपने बयान में कहा कि उसने इनका पालन किया है। हो सकता है। कानूनी रूप से शायद गलत न भी हो, पर न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के बाद भी यदि भारतीय होने के नाते इसकी टीम को कोई समस्या नहीं है तो देश अवश्य इनसे प्रश्न करेगा? संघ, भाजपा व मोदी विरोध के नाम पर न्यूजक्लिक के पक्ष में हस्ताक्षर करने वालों, अभियान चलाने वालों से भी पूछा जाएगा कि क्या वे चीन के एजेंडे को सही मानते हैं?

नजरिया

फिर बोतल से बाहर आया जंगल राज का जिन्न

बाल मुकुंद ओझा

इन दिनों सम्पूर्ण बिहार राज्य गम्भीरत्तम अपराधों से थर्राया हुआ है। सरे आम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ने लगी है। आम नागरिक बुरी तरह भयाक्रांत और सहमा हुआ है। बिहार में एक बार फिर जंगलराज की चर्चा जोरों पर है। जंगलराज का अर्थ बिहार के उस समयकाल से है जब बिहार में कानून की बजाए दबंगों का बोलबाला था; अपहरण करना, तमंचे लहराना, अपराधियों का लग्जरी गाड़ियों में घूमना, सामूहिक नरसंहार, बुद्धिजीवियों का पलायन, शून्य विकास उस समय सामान्य हुआ करता था। बिहार में फिर से जंगलराज लौटने लगा है। राज्य में न सिर्फ आम आदमी से लेकर व्यवसायी, पुलिस और मीडियाकर्मियों को निशाना बनाया जा रहा है। बताया जाता है जंगल राज शब्द दरअसल पटना हाईकोर्ट ने ईजाद किया था। बिहार में लालू प्रसाद यादव की सरकार चल रही थी। लगातार पूरे प्रदेश में माफिया राज कर रहे थे। सरेआम लूट, चोरियां, बलात्कार, घोटाले, नागरिक असुरक्षा का माहौल था। तभी हाईकोर्ट ने विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था, यह तो जंगलराज है। तभी से यह शब्द लालू के शासनकाल के माथे पर चिपक गया। दरअसल बिहार में 1990 से 2005 तक के दौर को जंगलराज कहा जाता है। उस दौर में उपद्रवियों और गुंडों को खुली छूट जैसा माहौल था।

आज एक बार फिर बिहार अपराधों की चपेट में है। सरेआम हत्या और लूट का बाजार गर्म है। बिहार में असंख्य ऐसी घटनाएं भी बढ़ गई हैं, जिनमें लूट, फायरिंग, अपहरण के मामले पाए जा रहे हैं जो यह साबित कर रहा है की यहाँ जंगल राज की वापसी हो गई है। बिहार में एक के बाद एक हत्याओं से कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। राज्य में पुलिस कर्मी, पत्रकार और शिक्षक की हत्या के बाद एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने एक नेता को निशाना बनाया है। 14 अगस्त को समस्तीपुर में एक पुलिस कर्मी को गोली मारी गई थी। शुक्रवार को अररिया में एक पत्रकार की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या की गई थी।

रविवार को बेगुसराय के फतेहा हॉल्ट के पास एक रिटायर्ड शिक्षक को गोली मारी थी। इसके बाद रविवार को मुजफ्फरपुर में एक रेस्टोरेंट में फायरिंग हुई। आज हाजीपुर में नेता को गोली मारी गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है की नीतीश लालू की दोस्ती और सत्ता में बंदरबाट के बाद अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए है। आये दिन हत्या की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है और बदमाश बेखौफ हो गए है। किसी की इज्जत आबरू सुरक्षित नहीं है।

मंथन

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को दिया भाषाई न्याय

आशीष वशिष्ठ

मोबाइल : 99 3624 7777

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायिक निर्णयों में लैंगिक रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए बीते दिनों 43 शब्दों को फिलहाल रेखांकित करते हुए 'हैंडबुक ऑन: कॉम्बेटिंग जेंडर स्टीरियोटाइप्स' 30 पेज की पुस्तिका जारी की। पुस्तिका में नारी गरिमा को हानि पहुंचाने वाले घिसे-पिटे शब्दों और अपशब्दों को हटा दिया गया है। इस पुस्तिका में वही शब्द हैं जो पहले कभी, कोर्ट में हुई बहस या उसके बाद लिखे गए निर्णयों में प्रयोग किये गये थे। यह पहली बार है कि जब किसी मुख्य न्यायाधीश का ध्यान महिलाओं के विरुद्ध प्रयोग किए जाने वाले कठोर और अपमानजनक शब्दों की ओर आकर्षित हुआ है, जो अदालत की भाषा में घुसपैठ कर चुके हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट की जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा यह हैंडबुक तैयार की गई है।

असल में इसी साल मार्च में महिला दिवस के मौके पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने वाले शब्दों को हटाने पर काम चल रहा है, जल्द एक गाइडलाइन जारी की जाएगी। हैंडबुक के लॉन्च के वक्त मुख्य न्यायाधीश बोले, इसका मकसद किसी फैसले पर संदेह करना या आलोचना करना नहीं है बल्कि स्टीरियोटाइपिंग, खासकर औरतों को लेकर इस्तेमाल होने वाले शब्दों को लेकर जागरूकता फैलाना है. हैंडबुक इस बात पर गौर करेगी कि स्टीरियोटाइप क्या है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उन कठोर या अपमानजनक शब्दों की जगह उनके सम्मानजनक विकल्प का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह पुस्तिका अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों दोनों के लिए है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारी अदालतों की भाषा वाकई कबीलाई और मध्यकालीन संस्कारों और सोच से प्रभावित है। अदालतों में भी पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, क्योंकि अधिकांश न्यायाधीश, वकील और कर्मचारी पुरुष हैं। महिलाओं की उपस्थिति न्यूनतम है, लेकिन भाषा के स्तर पर वही पुराना लैंगिक वर्चस्व का भाव है। बेशक याचिका हो या पुलिस, जांच एजेंसी का आरोप-पत्र अथवा वकीलों की बहस और न्यायाधीशों के फैसले हों, भाषाई स्तर बेहद आपत्तिजनक और तिरस्कारवादी रहा है। मसलन- वेश्या, बिन ब्याही मां, बदचलन, छोड़ी हुई औरत, रखैल आदि शब्द कमोबेश 21वीं सदी की भाषा के नहीं हो सकते।

समाज के विभिन्न वर्गों और कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भाषा भी कभी-कभी बहुत सम्मानजनक नहीं होती है। ऐसा नहीं है कि ऐसे शब्दों का प्रयोग जानबूझकर किया जाता है। हमारे अचेतन मन में ऐसे शब्दों का प्रयोग यूं ही किया जाता है, लेकिन उनका अर्थ गंभीर और असम्मानजनक होता है। ऐसे शब्दों का प्रयोग हम पीढ़ी-दर-पीढ़ी करते रहते हैं। आमतौर पर महिलाओं के लिए प्रयोग होने वाले शब्दों से वे खुद परिचित नहीं हैं।

समाज की मूल इकाई परिवार है, लेकिन वहां भी सब कुछ ऐसे ही चल रहा है। ऐसे में महिलाओं के लिए प्रयोग होने वाले अपमानजनक शब्दों को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस हैंडबुक का लॉन्च करना सरसरी नजर में मामूली बात लग सकती है, लेकिन अगर इसकी बारीकियों पर नजर डालें तो यह रुढ़िवादी सोच पर गहरी चोट करती है। आम बोलचाल की भाषा में कहें तो अपमान के केंद्र में भी महिलाएं ही होती हैं। इसे बदलने के लिए भी बड़े प्रयासों की जरूरत है।

अब नई विश्व-व्यवस्था और नए भारत में परिवार का 'कमाऊ' और 'रोटी-प्रदाता' सदस्य पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी हैं। अलबत्ता वे यौन और घरेलू सेवाएं भी प्रदान करती हैं। प्रकृति ने उन्हें ही 'मातृत्व' का वरदान दिया है, लिहाजा शब्दों और सोच का इस्तेमाल भी सभ्य और समता के स्तर पर किया जाना चाहिए। चूंकि अदालत से सीधा संबंध पुलिस, जांच एजेंसियों का है, लिहाजा प्रधान न्यायाधीश नई शब्दावली के लिए पुलिस विभाग, गृह मंत्रालय और अन्य संबद्ध विभाग से भी आग्रह कर सकते हैं। हमारा मानना है कि देश की समूची व्यवस्था में 'कमोबेश भाषायी परिवर्तन' को जरूर लागू किया जाना चाहिए। तभी हम व्यावहारिक और आदर्श, सामाजिक तौर पर 'लैंगिक समानता' और 'लैंगिक गरिमा' की बात कर सकते हैं। बहरहाल नई शब्दावली का प्रयोग भी इसी संदर्भ में किया गया है कि भरी अदालत में औरत को कलंकित या लांछित न किया जाए। जो पुस्तिका जारी की गई है, उसे प्रवचन के बजाय व्यवहार में लिया जाना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश का कहना है कि ये शब्द उचित नहीं हैं और अतीत में न्यायाधीशों द्वारा इसका इस्तेमाल किया गया है। हैंडबुक का उद्देश्य आलोचना करना या निर्णयों पर सवाल उठाना नहीं है, बल्कि यह बताना है कि कैसे रूढ़िवादिता का उपयोग अनजाने में किया जा सकता है। हैंडबुक के लॉन्च के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और दलीलों में लैंगिक रूढ़िबद्ध शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। छेड़छाड़, वेश्या या वेश्या और गृहिणी जैसे शब्दों की जगह अब 'सड़क पर यौन उत्पीड़न', 'सेक्स वर्कर' और 'गृहिणी' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा।

इस पुस्तिका में आपत्तिजनक शब्दों और उनके स्थान पर प्रयोग किये जाने वाले नये शब्दों और वाक्यांशों की सूची है। इनका उपयोग न्यायालय में दलीलें देने, आदेश पारित करने तथा उसकी प्रति तैयार करने में किया जा सकता है। शब्द गलत क्यों हैं और वे कानून को और कैसे विकृत कर सकते हैं, यह भी बताया गया है। व्यवहारिक रूप से महिलाओं को समानता की ओर लाने के लिए ऐसी पहल की बहुत आवश्यकता है।

निश्चित ही शब्दों की यह सूची अभी छोटी होगी, लेकिन धीरे- धीरे यह लम्बी होती जाएगी और महिलाओं को उन अपशब्दों से निजात मिल सकेगी जो उनके विरुद्ध घरों, दफ्तरों, गलियों और बाजारों में अब भी बड़ी सहजता से इस्तेमाल किए जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय का यह प्रयास विषेषकर महिलाओं के सम्मान, उनकी गरिमा और समता के मद्देनजर किया गया है। इस लैंगिक और बेहतर पहल के लिए प्रधान न्यायाधीश बधाई और साधुवाद के पात्र हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

उज्जैन में सोमवार को उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में 'नाग पंचमी' के अवसर पर पुजारी भगवान नागचंद्रेश्वर की पूजा करते हुए।

प्रेमी से ब्याह रचाने शाहजहांपुर आई कोरियाई युवती

शाहजहांपुर। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर और हिंदुस्तान से पाकिस्तान गई अंजू की चर्चाओं के बीच मोहब्बत की डोर से बंधी एक दक्षिण कोरियाई युवती ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर पहुंचकर अपने प्रेमी से ब्याह रचाया। हालांकि दक्षिण कोरिया के देगू निवासी 30 वर्षीय किम बोह नी की कहानी सीमा हैदर और अंजू से बिल्कुल अलग है। किम और शाहजहांपुर के पुवायां क्षेत्र स्थित उधना गांव के रहने वाले सुखजीत सिंह छह साल पहले एक दूसरे के संपर्क में आए थे। पिछली 18 अगस्त को किम और सिंह गुरुद्वारे में विवाह बंधन में बंध गए। इस शादी में वर-वधु दोनों ही पक्षों के परिवारों की रजामंदी शामिल रही। किम ने सोमवार को कहा कि वह भारत आकर काफी खुश हैं और उन्हें अपने ससुराल के लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है।

ट्रंप ने उठाया भारत की कर प्रणाली पर सवाल, सत्ता में आने पर उतना ही कर लगाने की दी धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ अमेरिकी उत्पादों, खासकर हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिल पर भारत में उच्च करों का मुद्दा उठाया और सत्ता में वापस आने पर देश पर उतना ही कर लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल में ट्रंप ने भारत को ''कर लगाने वाला महाराजा'' बताया था और मई 2019 में भारत को अमेरिकी बाजार में तरजीही देने वाली सामान्यीकृत प्राथमिकता प्रणाली (जीएसपी) को समाप्त कर दिया था। ट्रंप (77) ने आरोप लगाया था कि भारत ने अमेरिका को ''अपने बाजारों तक न्यायसंगत और उचित पहुंच नहीं दी है।'' 'फॉक्स बिजनेस न्यूज' के लैरी कुडलो को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने भारत की कर दरों को बेहद उच्च बताते हुए उस पर सवाल उठाए। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, '' दूसरी चीज जो मैं चाहता हूं वह है एक समान कर ...भारत उच्च कर लेता है। मैंने हार्ले-डेविडसन (मोटरसाइकिल) के साथ ऐसा देखा। मैंने यह कहा भी कि आप भारत जैसी जगह में कैसे हैं? वह 100 प्रतिशत, 150 प्रतिशत और 200 प्रतिशत कर लगाते हैं।'' ट्रंप ने कहा, '' मैं बस यह चाहता हूं....अगर भारत हम पर कर लगा रहा है तो हम भी उन पर कर लगाएं।'' उन्होंने भारत के साथ-साथ ब्राजील की कर प्रणाली पर भी सवाल उठाए। ट्रंप ने 2024 में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की है। हालांकि उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए बुधवार को आयोजित होने वाली पहली प्राइमरी बहस में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है।

मेक्सिको की सबसे ऊंची चोटी 'पाइको दे ओरीजाबा' पर चढ़ रहे चार पर्वतारोहियो की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सबसे ऊंचे पर्वत 'पाइको दे ओरीजाबा' पर चढ़ रहे चार पर्वतारोहियों की मौत हो गयी। मध्य प्युब्ला प्रांत में असैन्य रक्षा कार्यालय ने रविवार को बताया कि ऐसा लगता है कि सभी चारों लोगों की मौत 18,619 फुट ऊंचे पर्वत से गिरने से हुई। उसने बताया कि दो पर्वतारोही पड़ोसी वेराक्रूज राज्य के थे तथा एक पर्वतारोही प्युब्ला का था। यह पर्वत दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित है। कार्यालय द्वारा जारी तस्वीरों में बचाव कर्मी शवों को निकालने की कोशिश करते हुए दिख रहे हैं। मेक्सिको में पर्वतारोहण के दौरान दुर्घटनाएं असामान्य नहीं हैं। 2015 के बाद से बचावकर्ताओं और पर्वतारोहियों ने बर्फ में वर्षों पहले हिमस्खलन में मारे गए कम से कम तीन लोगों के शव बरामद किए हैं। मेक्सिको में अमेरिकी दूतावास ने 2018 में कहा था कि पर्वतारोहण के दौरान अमेरिकी राजनयिक मिशन के एक सदस्य की मौत हो गयी थी। नवंबर 2017 में एक अन्य अमेरिकी पर्वतारोही की मौत हो गयी थी तथा सात अन्य को बचा लिया गया था।

ओणम महोत्सव

केरल के पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास सोमवार को तिरुवनंतपुरम में राज्य पर्यटन उत्सव के सिलसिले में पर्यटन निदेशालय में ओणम महोत्सव के दौरान केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी को मिठाई खिलाते हुए।

चंद्रयान-3 का मखौल उड़ाते अभिनेता प्रकाश राज का पोस्ट वायरल होने के बाद से विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई।अभिनेता प्रकाश को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर किए गए एक पोस्ट के लिए सोमवार को आलोचना का सामना करना पड़ा जिसे कई लोगों ने भारत के चंद्र मिशन 'चंद्रयान-3' के मखौल के तौर पर लिया। हालांकि, प्रकाश राज ने एक अन्य पोस्ट में आलोचकों का जवाब देते हुए कहा कि ''नफरत केवल नफरत देखती है' और वह एक पुराने परिहास का संदर्भ दे रहे थे। प्रकाश राज ने रविवार को एक कार्टून साझा किया था जिसमें एक व्यक्ति शर्ट पहने हुए है और कमर पट्टे से एक बर्तन में चाय डाल रहा है। उन्होंने तस्वीर के साथ कन्नड में लिखा, '' ताजा खबर : चंद्रयान से पहली तस्वीर आई है विक्रमलैंडर बस पूछ रहा हूं।'' प्रकाश राज ने कार्टून में दिख रहे व्यक्ति के बारे में विशेष तौर पर कुछ नहीं लिखा था लेकिन सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के सिवन के मखौल के तौर पर लिया और अभिनेता को आड़े हाथ लिया।

अभिनेता को आड़े हाथ लेने वालों में कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, '' मैं प्रकाश राज की इस शर्मनाक ट्वीट के लिए निंदा करता हूं। इसरो की सफलता भारत की सफलता है।'' चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को प्रक्षेपित किया गया था और यह 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने को तैयार है। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला लैंडर होगा। इसरो ने रविवार को बताया कि विक्रम रोवर 23 अगस्त को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के सतह पर उतरेगा। अभिनेता ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि उनकी पूर्व पोस्ट पुराने परिहास का संदर्भ था जो 1969 में अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और चंद्रमा पर पहली बार कदम रखने वाले नील आर्मस्ट्रांग के समय का है। राज ने पोस्ट किया, ''नफरत केवल नफरत देखती है...मैं आर्मस्ट्रांग के समय के परिहास का संदर्भ दे रहा था...केरल चायवाला का उत्सव मनाए...किस चायवाल ने यह ट्रोल किया देखो?

पंकज त्रिपाठी के पिता पंडित बनारस तिवारी का 99 साल की उम्र में निधन

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय एक्टर पंकज त्रिपाठी के पिता पंडित बनारस तिवारी का 99 साल की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंकज उत्तराखंड में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे और अब बिहार के गोपालगंज स्थित अपने गांव वापस जा रहे हैं। पंकज त्रिपाठी की टीम की ओर आधिकारिक बयान में कहा गया, ''भारी मन के साथ यह कहना पड़ रहा है कि पंकज त्रिपाठी के पिता पंडित बनारस तिवारी अब दुनिया में नहीं रहे। उन्होंने 99 साल का स्वस्थ जीवन जीया। उनका अंतिम संस्कार आज उनके करीबी परिवार के बीच किया जाएगा। पंकज त्रिपाठी फिलहाल गोपालगंज अपने गांव जा रहे हैं।'' पंकज की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'ओएमजी 2' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

नए लुक में दिखे सलमान खान

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान पिछले कुछ दिनों बिग बॉस ओटीटी-2 को लेकर चर्चाओं में रहे। आज वो अपने नए लुक को लेकर चर्चाओं में आए हैं। कल देर रात वो एक रेस्ट्रा के बाहर स्पॉट हुए। उन्होंने ब्लैक कलर के कपड़े पहन रखे हैं और वे बाल्ड हैं अर्थात उनके सिर पर नहीं के बराबर बाल हैं। उनका यह लुक वायरल होने के साथ-साथ ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं। उन्हें बुड्ढा तक कहा गया है। सुपरस्टार सलमान खान ने तीन दशक से भी ज्यादा समय से बॉलीवुड में धमाचौकड़ी मचाई हुई है। सलमान का क्रेज जरा भी कम नहीं हुआ, उल्टा यह हर आने वाले दिन के साथ बढता ही जा रहा है। लोग सलमान से जुड़ी हर बात जानने को इच्छुक रहते हैं। उन्हें सलमान की लाइफ में काफी दिलचस्पी है। सलमान की हाल के दिनों में कोई फिल्म तो रिलीज नहीं हुई, लेकिन वे बिग बॉस ओटीटी 2 के होस्ट के रूप में छाए हुए थे। अब उनकी फिल्म 'टाइगर 3' कतार में है।

फिलहाल हम बात कर रहे हैं सलमान के वीडियो की जो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें सलमान एक नए लुक के साथ दिख रहे हैं। सलमान के सिर पर बहुत छोटे बाल हैं या फिर कह सकते हैं कि वे लगभग गंजे (लरश्रव) हैं। दरअसल सलमान बिग बॉस के दौरान अपने बड़े बालों वाले लुक में ही नजर आ रहे थे, लेकिन अब वे बाल्ड लुक में स्पॉट हुए हैं। यह देख फैंस हैरान हैं। सलमान का यह वीडियो एक डिनर पार्टी का है, जो एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने रखी थी। इस दौरान सलमान ब्लैक शर्ट और ब्लैक जीन्स पहने हैं।

सलमान काफी टाइट सिक्योरिटी में हैं। सलमान को इस लुक में देख लोगों को उनकी 2003 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे नाम' याद आ गई, जिसमें वे गंजे हो जाते हैं।

सलमान आखिरी बार शाहरुख की फिल्म 'पठान' में कैमियो रोल में नजर आए थे।

उन्हें फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित एक्शन कॉमेडी 'किसी का भाई किसी की जान' में भी देखा गया था। उनकी अगली फिल्म 'टाइगर 3' है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित और आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित है। फिल्म में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 2017 में आई फिल्म 'टाइगर जिंदा है' का सीक्वल है।

'मां तुझे सलाम-2' का पोस्टर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल ने फिल्म 'गदर 2' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 350 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। इसके बाद से सनी देओल की और भी फिल्मों के सीक्वल की मांग बढ़ गई है। इसी बीच सनी देओल की फिल्म 'मां तुझे सलाम' के दूसरे पार्ट यानी मां तुझे सलाम-2 का पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म का ये पोस्टर आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अतुल मोहन ने लिखा 'दूध मांगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर मांगोगे तो लाहौर भी छीन लेंगे'। साथ ही पोस्टर में जानकारी दी गई है कि फिल्म मां तुझे सलाम 2 की शूटिंग जल्द शुरू की जाएगी। मां तुझे सलाम 2 का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लेकिन जानकारी के लिए बता दें कि इसको लेकर अभी कोई अधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

गौरतलब है कि माँ तुझे सलाम वर्ष 2002 में गणतंत्र दिवस के मौके पर प्रदर्शित हुई थी। 13 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने उस समय बॉक्स ऑफिस पर 22.8 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। फिल्म का निर्माण महेन्द्र धारीवाल ने किया था। लेखन-निर्देशन टीनू वर्मा का था, पटकथा श्याम गोयल की थी। मूल रूप से फिल्म में अरबाज खान मुख्य नायक के तौर पर थे, जब तक फिल्म का प्रदर्शन हुआ तब तक सनी देओल की गदर: एक प्रेम कथा बॉक्स ऑफिस पर तूफान बरसा चुकी थी। इसी के चलते मेहमान भूमिका में नजर आने वाले सनी देओल की भूमिका को बढ़ा दिया गया था।

सनी देओल ने अपने बंगले से संबंधित बकाया राशि चुकाने की पेशकश की : बीओबी

मुंबई/भाषा

बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने सोमवार को कहा कि अभिनेता सनी देओल ने मुंबई में अपने बंगले से संबंधित बकाया राशि का निपटान करने की पेशकश की है। बीओबी का यह बयान 56 करोड़ रुपये की वसूली के लिए अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद सनी देओल की संपत्ति की नीलामी के लिए जारी नोटिस वापस लेने के कुछ घंटों बाद आया है। बैंक ने कहा, ''कर्ज लेने वाले (सनी देओल) ने 20 अगस्त को जारी नीलामी नोटिस के अनुसार बकाया राशि का निपटान करने के लिए बैंक से संपर्क किया। उधारकर्ता/गारंटर को सूचित किया गया था कि वह नीलामी से पहले कभी भी बकाया राशि/लागत/शुल्क और व्यय का भुगतान करने के हकदार हैं। ''

बैंक की ओर से रविवार को जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा गया कि बैंक मुंबई के टोनी जुहू इलाके में गांधीग्राम रोड पर स्थित सनी विला की संपत्ति कुर्क की है। नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 51.43 करोड़ रुपये और 5.14 करोड़ रुपये की बयाना राशि तय की गई है। ऑनलाइन माध्यम से 25 अगस्त को यह नीलामी की जाएगी। नोटिस में कहा गया था कि अभिनेता के पास 2002 के सरफेसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत होने वाली नीलामी को रोकने के लिए बैंक को बकाया चुकाने का विकल्प मौजूद है। बीओबी ने सोमवार सुबह जारी ऐसे ही एक नोटिस में कहा कि 20 अगस्त को जारी नोटिस को ''तकनीकी कारणों से वापस लिया जाता है।'' गुरदासपुर से सांसद बैंक से 55.99 करोड़ रुपये के ऋण व ब्याज और जुर्माने पर चूक का सामना कर रहे हैं। उन पर यह मामला दिसंबर 2022 से जारी है। नीलामी के लिए रविवार को जारी नोटिस के अनुसार, सनी विला के अलावा 599.44 वर्ग मीटर की संपत्ति में सनी साउंड्स भी शामिल है जो कि देओल परिवार के स्वामित्व में है। सनी साउंड्स कर्ज का कॉर्पोरेट गारंटर है। सनी के पिता एवं अभिनेता धर्मेंद्र ऋण के व्यक्तिगत गारंटर हैं।

बिग बी ने सैयामी खेर को उनके प्रदर्शन के लिए भेजा हाथ से लिखा नोट

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'घूमर' की अभिनेत्री सैयामी खेर को उनके अभिनय के लिए काफी तारीफ मिल रही है। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने भी सैयामी खेर की जमकर प्रंशसा की, उन्होंने इसके लिए अभिनेत्री को एक नोट भी भेजा है। फिल्म 'घूमर' आर. बाल्की द्वारा निर्देशित है। इसमें अभिषेक बच्चन और सैयामी खेर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में सैयामी ने अनीना की भूमिका निभाई है जो एक एथलीट है, जो एक दुर्घटना के कारण अपना दाहिना हाथ खो देती है, लेकिन वह फिर से खिलाड़ी बनने की ताकत वापस लाती है। सैयामी ने सोशल मीडिया पर बिग बी का पत्र साझा किया जिसमें लिखा है, ''आपका धैर्य, आपकी ईमानदारी, आपका स्तरीय प्रदर्शन और घूमर में आपकी उपस्थिति पर आपकी प्रशंसा कभी कम न हो। सैयामी ने सोशल मीडिया पर कहा, मुझे याद है कि मैंने लुकिंग फॉर अमिताभ नामक एक लघु फिल्म देखी थी कि दृष्टिबाधित लोग इस आइकन को कैसे देखते हैं। उनकी ट्रेडमार्क आवाज का वर्णन करने से लेकर उनके जूतों की आवाज, या उनके इत्र की खुशबू तक कैसे पहचानते हैं। हम मिस्टर बच्चन को देखते नहीं हैं, लेकिन हम इस सुपरस्टार द्वारा बनाए गए प्रभाव का अनुभव कर सकते हैं।

दिया कुमारी फाउंडेशन की महिलाओं के लिए फिल्म 'दो गुब्बारे' की विशेष स्क्रीनिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल छू लेने वाले एक कार्यक्रम में जिसमें दोस्ती, फैशन और स्ट्रीमिंग सीरीज की दुनिया का मिश्रण था, सिद्धार्थ शॉ की 'दो गुब्बारे' की स्क्रीनिंग का राजस्थान में प्रीमियर हुआ। जिसने जीवन के सभी क्षेत्रों की महिलाओं के दिलों पर कब्जा कर लिया। प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग, आकर्षक कहानी कहने और समुदाय दोनों का उत्सव थी। सिद्धार्थ शॉ, जो श्रृंखला 'दो गुब्बारे' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, ने लगातार अपनी कला को अपनी सामाजिक चेतना से जोड़ने के तरीके खोजे हैं। विशेष रूप से उन्होंने मुंबई में श्रृंखला के पहले प्रीमियर के लिए एक पैचवर्क, हाथ से रजाई बना हुआ जैकेट पहना था। जैकेट को प्रिंसेस दीया कुमारी फाउंडेशन की कुशल महिलाओं द्वारा सावधानीपूर्वक अनुकूलित किया गया था। यह एक स्टाइल स्टेटमेंट था जो सहयोग और सशक्तिकरण का भी प्रतीक था। जैकेट के पीछे की कहानी के कारण राजस्थान में प्रीमियर विशेष रूप से मार्मिक था।

सिद्धार्थ ने फाउंडेशन की महिलाओं से वादा किया था कि मुंबई में उन्होंने जो बेहतरीन जैकेट पहनी थी, उसे बनाने के बाद वह उनके लिए एक विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था करेंगे। यह आयोजन उस वादे की पूर्ति थी, और इस कार्यक्रम में महिला कारीगरों द्वारा महसूस की गई खुशी और कृतज्ञता स्पष्ट थी। संपूर्ण स्क्रीनिंग को सुविधाजनक बनाने में सहायक राजकुमारी गौरवी ने भी एकता और उद्देश्य की भावना को बढ़ाते हुए, इस कार्यक्रम में अपना शाही आकर्षण लाया। सिद्धार्थ शॉ और राजकुमारी गौरवी कुमारी के बीच एक दशक पुरानी दोस्ती है। सिद्धार्थ शॉ ने साझा किया, यह प्रीमियर सिर्फ एक श्रृंखला की स्क्रीनिंग से आगे जाता है। यह दोस्ती की शक्ति और एक साथ आने पर हम जो प्रभाव पैदा कर सकते हैं उसका एक प्रमाण है। जैकेट अब एक गहरा अर्थ रखता है, जो मुझे उन प्रतिभाशाली महिलाओं से जोड़ता है जिन्होंने इसे तैयार किया है .मैं अपना वादा पूरा करने और इस खूबसूरत पल को सभी के साथ साझा करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' 'दो गुब्बारे' वर्तमान में जियो सिनेमा पर मुफ्त स्ट्रीमिंग कर रहा है, जो दर्शकों को इसकी आकर्षक कहानी में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहा है। 'तीज' के अवसर पर राजस्थान में आयोजित श्रृंखला का प्रीमियर, उन सार्थक संबंधों की याद दिलाता है जिन्हें हम बना सकते हैं, उन वादों को हम निभा सकते हैं, और वह कला जो हम सभी को करीब लाती है। यह एक ऐसा उत्सव था जो निस्संदेह आने वाले लंबे समय तक उपस्थित सभी लोगों के दिलों में रहेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 22-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

काम क्रोध मद लोभ मोह यह पाँच अवगुण व्यक्ति के व्यक्तित्व के शत्रु हैं। यह पाँचो ही व्यक्ति के स्वाभाविक एवं प्राकृतिक गुण नही हैं। इनमें से मद को अहंकार भी कहते हैं और अहंकार हमारे पतन का कारण होता है। यह मनुष्य द्वारा स्व अर्जित मनोरोग है। यह मनुष्य द्वारा स्वयं पाला गया रोग है। इसके प्रभाव से सज्जन भी अपना विवेक खो देता है और गलत व्यवहार करने लगता है अर्थात् इससे विवेक नष्ट हो जाता है और विवेक के नष्ट होते ही मनुष्य पशुवत आचरण करने लगता है।

विनती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के मैलापुर के वर्धमान श्वेताम्बर जैन संघ के सदस्यों ने आगामी वर्ष 2024 के चातुर्मास की विनती सूरत में विराजित श्रमण संघीय आचार्य डॉ. शिवमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती एवं श्रमण संघीय सलाहकार श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा., उपाध्यय गुरुदेव डॉ. विशालमुनिजी म.सा, प्रर्वतक श्री आशीषमुनिजी म.सा. एवं श्री विचक्षणमुनिजी म.सा.के शिष्य श्री गौतममुनिजी म.सा., श्री चेतनमुनिजी म.सा. को रखी। विनती पत्र मंत्री विमलचन्द खाबिया ने 20 अगस्त को संघ सदस्यों की उपस्थिति में गुरु चरणों में समर्पित किया।

एकता के प्रश्न को गृहस्थ हल कर सकते हैं : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में कोरुक्कुपेट स्थित ओसवाल गार्डन में स्याद्वाद व्याख्यानमाला का सोमवार को समापन हुआ। शसुन जैन कॉलेज में जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने बतौर मुख्यवक्ता कहा कि सामायिक, प्रतिक्रमण आदि ध्यान और योग के ही विभिन्न रूप हैं। दुःख, तनाव और कषाय से मुक्त होने के लिए सामायिक निरापद साधना है। देवता भी ऐसी श्रेष्ठ साधना करना चाहते हैं, लेकिन उनके लिए वैसा करना संभव नहीं है। डॉ. धींग ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नति की दृष्टि से मनुष्य जीवन देवताओं से भी श्रेष्ठ है। इसीलिए दीर्घ आयु वाले देव भी अल्पायु के मानव जीवन की आकांक्षा रखते हैं। डॉ. धींग ने प्रेरणा दी कि धार्मिक मामलों को यदि अदालत के बाहर ही सुलझाया जाए तो क्षमा, प्रतिक्रमण और अनेकांत की महिमा बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि एकता के प्रश्न को साधु नहीं, गृहस्थ हल कर सकते हैं।

इससे पूर्व युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. धींग की कविता ये 'बड़ी बड़ी बातें छोड़ो, टूटी बिखरी कड़ियां जोड़ो' सुनाई तो सभागार हर्षध्वनि से गूंज उठा। स्वाध्यायी अशोक रांका ने क्षमा का महत्व बताया। शानू बोहरा ने यादगार स्याद्वाद व्याख्यानों के लिए डॉ. धींग का काव्यात्मक आभार जताया। अध्यक्ष गौतम श्रीमाल ने बताया कोषाध्यक्ष शिखरचंद कोठारी व राखी कोठारी ने सजोड़े तपस्या की। मंत्री ललित कटारिया ने ऋद्धि कांकरिया, सनम बेताला, परी मेहता, भाविका सुराणा, खुशी बोथरा आदि की तपस्या की जानकारी दी।

ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सुमति वल्लभ नोर्थटाउन जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। अज्ञान संशय का निर्माण कर जीवन को कटु, कलंकित व संकीर्ण बनाता है। जीवन जीने की उमंग समाप्त हो जाती है, मन कर्म से विमुख होकर तनावग्रस्त हो सकता है। दूसरी ओर ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बनकर जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित होता रहता है। उन्होंने आगे कहा कि अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकर खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है।

तपस्वियों का सम्मान करते हुए पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा।

जीवन में उदारता होनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारे जीवन में संपत्ति के साथ उदारता होनी चाहिए। तीन प्रकार की संपत्ति होती हैं नदी। नदी की तरह जो मिला उसे लूटाते गए, दूसरी संपत्ति है तालाब, अगर तालाब के पास गए तो देगा नहीं तो नहीं देगा और तीसरी संपत्ति है गड्ढे के सामान जो किसी के भी काम नहीं आती है और पड़ा पड़ा नष्ट हो जाता है। दान देते समय दान देने वालों के भी तीन प्रकार के विचार होते हैं एक सोचता है ना देने पड़े तो अच्छा, दूसरा कम से कम देना और ज्यादा नाम होगा तो अच्छा, तीसरा आ गए अब क्या करूं इस प्रकार उदास उदासीन भाव से देना। यह तीनों दान आपको पुण्य नहीं देगा। तीन प्रकार के गुणवान भी होते हैं जो हर्ष के साथ दान देते हैं खुशी-खुशी दान देते हैं और कोई नाम और सम्मान के लिए दान देते हैं अब आपको निर्णय करना है कि आपको किस प्रकार का दान देना है। एक भिक्षु राजा के दरबार में पहुंचा। भिक्षा लेने के लिए पर राजा ने कहा मुझे कुछ दे दो। भिक्षु सोचता है कि मैं तो आया था राजा से मांगने के लिए और यह कैसा राजा है जो मुझ से ही मांग रहा है फिर भी उदास होकर उस भिक्षु ने राजा को कुछ चावल के दाने दे दिए। घर आने पर देखा तो जितना दाने राजा को दिए उतने सोने के हो गए वह पछताता रहा । वह सोचता है कि मेरे पास जो मुट्ठी भर चावल थे, अगर मैं पूरा दे देता तो यह सब सोने के बन जाते हैं। लेकिन क्या करें उसके भाग्य में लिखा नहीं था। इसलिए जितना दिया उतना ही उसे सोने का मिला। वह राजा और कोई नहीं था वह देवता के रूप में वहां पर राजा बनकर सिंहासन पर बैठा था और उस भिक्षु की परीक्षा ले रहा था परंतु जिसको देने की आदत नहीं है वह लेना ही जानता है। जो देना नहीं जानता है और वह अंतिम समय तक दरिद्र बना रहता है। आज की धर्म सभा मे तेले की तपस्या से लेकर उनतीस की तपस्यों के अनेक प्रत्याखयान हुए तथा भारी संख्या में लोग प्रवचन में भाग लेकर जिनवाणी का लाभ लिया यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में नवकार महामंत्र उच्चारण का अनुष्ठान, संतों का हुआ आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में धर्मसूरी समुदाय के आचार्यश्री कुंदकुंदसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यश्री विनयधर्मसूरीश्वरजी म. सा. चातुमासार्थ विराजित हैं। रविवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान करवाए गए। श्रद्धालुओं ने एक ही स्थान में बैठकर ती घंटे में सब मिलकर 1लाख 8 हजार से ज्यादा महा मंत्र नवकार का विधि पूर्वक उच्चारण बड़े भक्ति भाव से किया गया। कार्यक्रम के बीच मुनि मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. का आगमन हुआ।

खरतरगच्छ संघ भवन में संवत्सरी प्रतिक्रमण के पूर्व आचार्यश्री कुंदकुंदसूरीजी से वंदन कर संतों ने आशीर्वाद प्राप्त किया। तीनों संतों ने आचार्यश्री से क्षमायाचना की और मिच्छामी दुक्कड़म पूछकर साधु क्रिया को पूरा किया। इस मौके पर खरतरगच्छ सघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा सचिव श्यामसुन्दर लुनिया उपस्थित थे।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को 22वें तीर्थंकर प्रभु नेमीनाथ दादा के जन्मकल्याणक के मौके पर एक्सनोरा अहिंसा इंडिया द्वारा गौशाला में गौ माता को हरा घास खिलाते हुए संस्थान के सदस्यगण।

रुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को सुरपेट स्थित लेकेतो अपार्टमेंट में देवाधिदेव महादेव के रुद्राभिषेक एवं सत्यनारायण कथा का आयोजन आचार्य पंडित श्री अवधेश पाठक द्वारा किया गया। पूरे विधिविधान के साथ रुद्राभिषेक के उपरांत पाठकजी द्वारा सत्यनारायण भगवान की कथा भक्तों के बीच प्रस्तुत की गई। आरती के उपरांत भजनों की प्रस्तुति दी गई।

कल्पसूत्र के श्रवण से ही आठ भव का मोक्ष मिलता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिन मणि प्रभसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं।

अपने दैनिक प्रवचन में गणिवर्य मनिषप्रभजी ने बताया, कल्पसूत्र में परमात्मा का जीवन चरित्र पदावली एवं साधु समाचार मुख्य तीन वाचना होती है वैसे उसी के भाग करके जो वचन बनाई सात दिन तक तो कल्पसूत्र का विश्लेषण किया जाता है और चौथ के दिन मूल 1200 सूत्र का वचन होता है यह प्राकृत भाषा में होता है लेकिन इसको अगर 21 बार सुन ले तो व्यक्ति 7 या 8 भाव में मोक्ष प्राप्त कर लेता है। लेकिन श्रद्धा से एक बार सुनता है तो व्यक्ति सात आठ भाव में मोक्ष जरूर प्राप्त करता है। यह कल्पसूत्र कामधेनु जैसा है इससे जो मांगते हैं वह मिलता है। सभी तपस्वियों का पारणा के आयोजन के लाभार्थी दीपक क्रियेशन के सुनील दीपक नाहटा का संघ द्वारा सम्मान कियागया। संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा ने सभी का स्वागत किया। संचालन सचिव श्यामसुन्दर लुनिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन युवक परिषद कैप्टन प्रकाश बोथरा ने किया।

श्रीमद् भगवत् सत्य की उपासना सिखाती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी भवन परिसर में आज श्रवण महीने के सोमवार को सहमंत्री किशोरीलाल जेठा, सुरेश चंद कोठारी, नारायण दास दम्माणी के देखरेख में महादेव शिव का अभिषेक सुबह नौ बजे से प्रारम्भ हुआ। करीब 100 श्रद्धालुओं ने अभिषेक कर प्रसादी पायी। माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष कमल गोयदानी, वनबंधु परिषद से महेन्द्रसिंह मोहता, महिला मंडल अध्यक्ष प्रेमलता टावरी, जगदीश भूतड़ा, मोतीचंद बिन्नानी आदि ने जोड़े के साथ अभिषेक का लाभ उठाया।

दूसरे सत्र में दोपहर में श्रीमद भागवत कथा का दूसरे दिन सोमवार को माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष जीवनसिंह मोहता ने महाराजश्री का स्वागत किया। मुख्य मनोरथी अमिता केशरीमल धीरण परिवार ने भागवतजी का पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। मंत्री बंशीलाल दलाल ने विशेष सहयोगियों को मंच पर आमंत्रण कर महाराजश्री से आशीर्वाद दिलवाया एवं महाराजश्री अपनी मृदुल वाणी से कथा का रसपान कराने का आग्रह किया। श्रीमद्भागवत सत्य की उपासना बतलाता है। इसकी शुरुआत में किसी देवी-देवता का नाम लेकर परमात्मा को प्रणाम नहीं किया गया किन्तु परम सत्य को प्रणाम किया गया है। इसलिये यह सभी सम्प्रदायों और समस्त विश्व के लिये उपयोगी है। सभी धर्म सत्य में मानते हैं। इसलिये झूठ-कपट और अन्याय को छोड़कर, सीधा, सहज, सरल, स्वभाव ही प्रभु को प्रसन्न करने वाला है। यह कथा वेदों का सार है, पुराणों का रस है एवं भक्तों का परम धन है।

गौरीशंकर राठी, जेठमल सारडा, निर्मल कुमार करवा,ओम प्रकाश टावरी, वीणा बिसानी, अनुराधा राठी,वृजलता चांडक आदि उपस्थित थे। कथा प्रसंग के मध्य में प्रभु-नाम संकीर्तन एवं मधुर भजनों के साथ- साथ अन्त में भागवत जी की आरती हुई।

ज्ञानसार अष्टक पुस्तक का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी जैन संघ में विराजमान आचार्यश्री विजय विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी महाराजा की निश्रा में अभिग्रह अट्ठम के दूसरे दिन सोमवार को 18000 साधुवंदनावली कराई गई। 18 लाभार्थी कृष्ण महाराजा बने। वाजिन्त्रादी और संगीत के साथ पहले आचार्यश्री और संतों ने सकल संघ गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराजा को वंदन किया। फिर साधुवंदनावाली चली। इसी के अंतर्गत श्रावक, श्राविकाओं ने नियम लिया कि 18 साल के अंदर 18000 साधु वंदन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान ही ज्ञानसार अष्टक की हिंदी अनुवादन अर्थ सहित पुस्तक का विमोचन सिद्धितप के बाल तपस्वियों ने किया।

कर्मों के फल से कोई नहीं बच पाया है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुण्यवानी कर्म बांधकर मनुष्य पुण्य का संचय कर सकता है और अशुभ कर्मों को घटा सकता है। सोमवार को साहुकारपेट के मरुधर केसरी दरबार में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में सुख दुख कर्मों के फल के अनुसार ही मिलते हैं। पुण्य कर्मों का फल सुख के रूप में मिलता है। पाप कर्मों का फल दुख के रूप में मिलता है। कर्मों के फल से आज तक कोई नहीं बच पाया है। कर्मों के फल की सजा भगवान महावीर स्वामी को भी भोगनी पड़ी थी। जीवन में यदि मनुष्य ने पुण्यवानी अच्छी बांध ली है तो जीवन को सुखमय बना सकता है और उसकी पुण्यवानी घट गई तो जीवन.दुःखमय बन जाएगा है। पुण्य को बढ़ा और घटाना इंसान के स्वयं के हाथ में है। जन्म ही जीवन का आरम्भ नहीं है, न मृत्यु ही इसका अन्त है। जन्म और मृत्यु तो बस जीवन का एक अध्याय है। इसलिये हमारा कर्तव्य है कि इस अमर अनन्त जीवन का यह छोटा सा अध्याय जो चल रहा है किसी प्रकार से संसार में दूषित और कलंकित नहीं होने देगे। हम मनुष्य जीवन को सरल बनाकर भव बन्धन से पुण्य का संचय करके अपनी इस आत्मा को संसार से हमेशा-हमेशा के लिए मुक्त करवा लेगें। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि आत्मा अनंत ज्ञानी है। लेकिन मनुष्य मोह-माया,राग -द्वेष के वशीभूत बंधकर अपनी इस आत्मा को मनुष्य लोक मे दूषित और अपवित्र बना देता है। धर्मसभा में तपस्वियों का संघ की ओर से सम्मान किया गया।

चैत्य परिपाटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएसपुरम स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा संवत्सरी के अंतिम दिन प्रतिक्रमण के पहले चैत्य परिपाटी का आयोजन किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.